RNI-MPHIN/2018/75526
वर्ष-08 | अंक-281 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-
दैनिक कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, शनिवार
18
जुलाई 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-4, विक्रम संवत् 2083
पेज-6

पीएम मोदी ने आप पर बोला हमला, कहा-

भारत सरकार की योजनाओं पर लगा रहे अपना स्टिकर

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (17 जुलाई) को जालंधर रैली में कहा- पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी की सरकार है। यहां की सरकार कर्ज पर मौज कर रही है। इस पार्टी ने किसानों और बहन-बेटियों के साथ धोखा किया है। लॉ एंड ऑर्डर के ये हालात हैं कि कब कहां गैंगवार हो जाए, कहां किस दिशा से गोलियां चलने लगें, कोई कह नहीं सकता। व्यापार-कारोबार करना मुश्किल हो चुका है। थानों पर अटैक हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि यहां कांग्रेस का भी अपना रोना धोना चल रहा है। इनका तो कुर्सी का किस्सा खत्म नहीं हो रहा है। अकाली दल का भी यही हाल है। उनकी अपनी उलझनें खत्म नहीं हो रही हैं। पंजाब में बीजेपी ही असली बदलाव लाएगी। हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करने के बाद पीएम पहले चंडीगढ़ पहुंचे।

मोदी हरदम पंजाब के युवाओं के साथ है

उन्होंने कहा कि साथियो पंजाब में अब भाजपा सरकार की जरूरत है। बीजेपी सरकार ही पंजाब का विकास कर सकती है। आज जालंधर आया हूं तो युवाओं से एक बात कहूंगा। मुझे पंजाब के युवाओं पर पूरा भरोसा है। पंजाब के युवा खेल के मैदान में जो जज्बा दिखाते हैं वो काबिल ए तारीफ है। खेलो इंडिया पॉलिसी आपके लिए ही है। नई इकोनॉमी के केंद्र में स्पोर्ट्स भी है जो जालंधर के लिए वरदान है। मैं अभी न्यूजीलैंड गया था। वहां स्पोर्ट्स में 5 बड़े समझौते हुए हैं।

किसानों को धोखा दिया जा रहा

पीएम ने कहा कि यहां आयुषमान योजना में खेल खेला जा रहा है। यहां के किसानों और नौजवानों में बहुत क्षमताएं है। पंजाब तेजी से विकसित हो सकता है। लेकिन यहां पर डबल इंजन की सरकार की जरूरत है। साथियो आपके पड़ोस में हरियाणा है। वहां 24 फसलों पर एमएसपी है। पंजाब में किसानों को धोखा दिया जा रहा है। हरियाणा में किसानों को 60 फीसदी डीए मिल रहा है।

फर्ज नहीं निभा सकते तो मत लिखो खुद को डॉक्टर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में चार वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में समय पर इलाज नहीं देने पर दो निजी अस्पतालों और

उनके डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने दोनों अस्पतालों से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने को कहा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने डॉक्टरों से कहा, अगर आप अपना फर्ज नहीं निभा सकते तो आपको अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने का कोई अधिकार नहीं है। अगर आपके पास इलाज की सुविधा नहीं थी तो आपको खुद बच्ची को दूसरे अस्पताल लेकर जाना चाहिए था।

सिंधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी के नरवर किले से संधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप चोरी हो गई। बदमाश किले

3000 फीट नीचे उतारी; ब्लैक मार्केट में 5 करोड़ तक कीमत, नरवर किले में अब 13 तोपें बचीं

की ओपन कचहरी से 16वीं शताब्दी की करीब 3500 किलो वजनी ऐतिहासिक तोप चुराकर ले गए। इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट में इसकी कीमत 3-5 करोड़ रुपए हो सकती है। चोरों ने वारदात को पूरी प्लानिंग के तहत अंजाम दिया है। तोप को पहले गद्दों में लपेटा, फिर बैरिंग लगी लोहे की ट्रॉली की मदद से करीब 3 हजार फीट नीचे उतारा। इसके बाद लोडिंग गाड़ी में लादकर फरार हो गए। वारदात 15 जुलाई की रात की है। नरवर किले में सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर तैनात नहीं थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया। शक है कि वारदात को इंटरनेशनल एंटीक ब्लैक मार्केट से जुड़े लोगों न अंजाम दिया है। किले के बाहर हैवी गाड़ियों के टायर के निशान मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि चोरों ने इस चोरी की पूरी तैयारी पहले से कर रखी थी। 4-5 जुलाई की रात बदमाशों ने इसी तोप को उसके मूल स्थान से नीचे गिरा दिया था.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति सभी के प्रति मैत्री और कल्याण का भाव रखने का संदेश देती है। कृष्ण-सुदामा का प्रसंग भी हमें मैत्री के भाव को पूर्ण गरिमा और आत्मीयता के साथ निभाने का संदेश देता है। यह प्रसंग हमें अमीर-गरीब का भेद मिटाकर समरसता का संदेश भी देता है। भगवान कृष्ण का शिक्षा के लिए सांदीपनि आश्रम उज्जैन आगमन और शिक्षा ग्रहण कर उनका 64 कलाओं 14 विद्याओं में पारंगत होना हमें शिक्षा का महत्व बताता है। राज्य सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दे रही हैं।

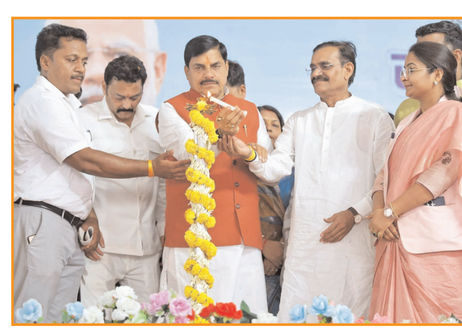

स्लीमनाबाद टनल किसान कल्याण वर्ष में किसानों के लिए बड़ी सौगात है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कई असंभव कार्यों को पूरा कर विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न विकास परक और कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में स्लीमनाबाद टनल परियोजना बघेलखंड और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, यह क्षेत्र भविष्य में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ देगा।

टनल से कोई पर्यावरणीय क्षति भी नहीं

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि टनल राष्टीय राजमार्ग, रेलवे लाइन, भूमिगत क्रॉसिंग और आबादी वाले क्षेत्रों के नीचे से सुरक्षित रूप से निकाली गई है तथा कहीं भी संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। साथ ही कोई पर्यावरणीय क्षति भी नहीं हुई। परियोजना से प्रभावित परिवारों का पुनर्वास, मुआवजा और स्थानांतरण भी पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ किया गया।

मां नर्मदा, गंगा बेसिन में भी हरियाली लाएंगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदा नदी तो खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है, लेकिन यह विज्ञान का चत्मकार ही है कि अब मां नर्मदा इस ऐतिहासिक टनल के माध्यम से गंगा बेसिन में सोन नदी के आसपास के अंचल में भी हरियाली लाएगी। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि टनल तैयार होना असंभव जैसा है। लेकिन जब संकल्प बड़ा होता है और पवित्र मन से कार्य किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। बार-बार कठिन चट्टानों की चुनौतियां आने के बावजूद नर्मदा टनल को पूरा करने के संकल्प के साथ पूरी टीम काम करती रही।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

एसआईआर से नाम कटने पर नागरिकता नहीं जाती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में से नाम हटने से किसी की नागरिकता नहीं जाती है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि बंगाल में जिन लोगों के नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के कारण कट गए हैं उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना बंद नहीं होना चाहिए।साथ ही नागरिकता पर अंतिम फैसला होने तक सभी सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। दरअसल बंगाल सरकार ने पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत अन्नपूर्णा योजना जैसी योजनाओं का लाभ उन लोगों को देने से मना करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किए हैं.

भोजशाला विवाद-सुप्रीम कोर्ट में पांच अगस्त को होगी अंतिम सुनवाई

नमाज के वैकल्पिक स्थान पर देनी होगी जानकारी

धार। धार स्थित भोजशाला-सरस्वती मंदिर विवाद मामले में अब सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को अंतिम सुनवाई करेगा। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार को यह भी बताना होगा कि मुस्लिम पक्ष के लिए जुमे की नमाज का कौन सा वैकल्पिक स्थान तय किया गया है। फिलहाल कोर्ट ने भोजशाला परिसर में नमाज की अनुमति नहीं दी है, जबकि हिंदू पक्ष की नियमित पूजा पहले की तरह जारी रखने का निर्देश दिया है।

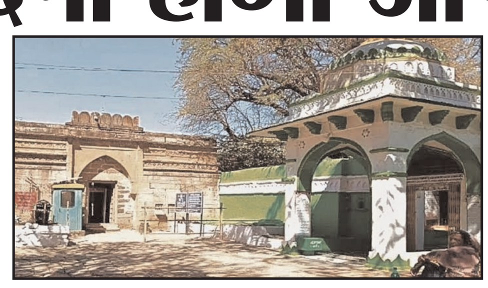

हिंदू पक्ष की पूजा पर कोई रोक नहीं

अदालत ने अपने आदेश में यह भी साफ किया कि भोजशाला परिसर में हिंदू पक्ष की पूजा-अर्चना पर किसी तरह की रोक नहीं रहेगी। सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां वाग्देवी (सरस्वती) की नियमित पूजा पहले की तरह जारी रहेगी।

एएसआई को भी दिए गए निर्देश

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) न्यायालय की अनुमति के बिना भोजशाला-सरस्वती मंदिर के मूल ढांचे में किसी तरह का बदलाव नहीं करेगा। साथ ही अदालत ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद धार जिला प्रशासन मुस्लिम पक्ष की जुमे की नमाज के लिए उपयुक्त वैकल्पिक स्थान तलाशने में जुट गया है।

घाटी में आतंक पर कड़ा प्रहार

सीआरपीएफ ने 10 हजार फीट की ऊंचाई पर ध्वस्त किए ठिकाने

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। सीआरपीएफ ने पहलगाम हमले के बाद से लेकर अब तक विभिन्न इलाकों में 55 अस्थायी ऑपरेशन बेस स्थापित कर दिए हैं। पहले इतनी ऊंचाई पर सुरक्षा बलों की नियमित गश्त नहीं होती थी। नतीजतन, आतंकवादी वहां पर छिपने की जगह ढूंढ़ लेते थे। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के अभियानों का फायदा यह हुआ है कि स्थानीय आतंकी लगभग खत्म हो चुके हैं। फिलहाल यहां एक लोकल आतंकी लतीफ भट बचा है, जबकि पाकिस्तानी आतंकियों की संख्या लगभग 50 बताई गई है। पिछले दिनों अमरनाथ यात्रा बाधित करने का प्रयास करने वाले दो स्थानीय आतंकी जाकिर अहमद गनी और उसके साथी लतीफ भट की सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराया था। लश्कर-ए-ताइबा का स्थानीय आतंकी और ए श्रेणी का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी, मुठभेड़ में मारा गया।

जवानों ने आतंकियों को खदेड़ा

जुलाई 2025 के बाद से सीआरपीएफ ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अपने बेस बनाकर आतंकियों को वहां से खदेड़ दिया है। आतंकियों को ऐसे ठिकाने छोड़ने पड़े हैं, जहां वे कई वर्षों से छिपे हुए थे। अब वहां पर सीआरपीएफ की नियमित गश्त होती है।

ईरान पर अमेरिका का प्रहार....

पुल, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन मलबे में तब्दील डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद मची तबाही

चेन्नई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तनाव अब बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो दिन पहले ही चेतावनी दी थी। उसके ठीक बाद अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला बोल दिया। अमेरिकी सेना ने लगातार छठी रात ईरान को निशाना बनाया है। इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने ही नहीं, बल्कि आम लोगों से जुड़े बुनियादी ढांचे पर भी हमले हुए हैं। हमलों में ईरान के पुल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तबाह हो गए हैं। ईरानी मीडिया का कहना है कि ये हमले दक्षिणी प्रांतों में हुए हैं। यह पूरा इलाका व्यापार के लिहाज से बेहद खास होर्मुज जलडमरूमध्य के पास है।

अमेरिकी मिसाइलों ने कहां कहां मचाई तबाही?

अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि वे ईरान की सैन्य ताकत को कमजोर करना चाहते हैं। दूसरी तरफ, ईरान का कहना है कि अमेरिका ने जानबूझकर आम जनता की सुविधाओं और रास्तों को निशाना बनाया है।

हवाई अड्डे पर मिसाइल गिरी: ईरान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में मौजूद ईरानशहर एयरपोर्ट पर जोरदार धमाके सुने गए। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने एयरपोर्ट को निशाना बनाकर सीधे मिसाइलें दागीं।

रेलवे स्टेशन पर बमबारी: बंदर अब्बास शहर के मुख्य रेलवे जंक्शन स्टेशन पर हमला हुआ। इस धमाके में वहां काम करने वाले दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो बड़े पुल टूटे: होर्मोजगान प्रांत में दो बड़े पुलों को नष्ट कर दिया गया। ये पुल बंदर खमीर के पास थे। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यहां हमले में दो लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। पुल टूटने से बंदर अब्बास, खमीर और लार के बीच का सड़क संपर्क टूट गया है।

अंधेरे में डूबा शहर: बंदर अब्बास में एक मोबाइल और संचार टावर पर हमला किया गया। इससे पूरे इलाके की बिजली कट गई और संचार सेवा ठप हो गई। इस हमले में सात लोग घायल हुए हैं।

कई शहरों में धमाके: ईरान के केशम द्वीप, बुशहर और अहवाज शहर में भी धमाकों की गूंज सुनाई दी।

आखिर क्यों भड़के डोनाल्ड ट्रंप...

यह हमला अचानक नहीं हुआ है। दो दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी थी। उन्होंने फॉक्स न्यूज से बातचीत में साफ कहा था कि अगर ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया, तो उसका बहुत बुरा हाल होगा। ट्रंप ने कड़े शब्दों में कहा था, अगला हफ्ता ईरान के लिए बहुत बुरा होने वाला है। हम उनके बिजली घरों और पुलों को निशाना बनाएंगे। अगर वे बातचीत के लिए नहीं आते, तो हम उनके सारे पावर प्लांट और पुल उड़ा देंगे।

विदेशी फंडिंग और अवैध घुसपैठ नेटवर्क पर ईडी ने कसा शिकंजा

दिल्ली, यूपी और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के 13 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध घुसपैठ, विदेशी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और हरियाणा समेत कई राज्यों में एक साथ 13 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी को कार्रवाई के दौरान कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनके आधार पर मामले की आगे पड़ताल की जा रही है।

यूपी एटीएस की एफआईआर के बाद शुरू हुई कार्रवाई

ईडी की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई। आरोप है कि एक संगठित गिरोह रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में अवैध घुसपैठ कराने, उनके लिए फर्जी भारतीय पहचान पत्र तैयार कराने और उन्हें देश के अलग-अलग राज्यों में बसाने का काम कर रहा था। एजेंसी अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

अवैध गतिविधियों में होता था विदेशी फंडिंग का उपयोग

कार्रवाई के दौरान ईडी को ऐसे वित्तीय लेनदेन की जानकारी मिली, जिनमें कुछ चैरिटेबल ट्रस्ट और संस्थाओं की भूमिका भी सामने आई है। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि इन संस्थाओं को विदेश से बड़ी मात्रा में फंडिंग प्राप्त होती थी। आरोप है कि इस धनराशि का इस्तेमाल कई बैंक खातों, दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए म्यूल अकाउंट्स और कई चरणों वाले ट्रांजैक्शन के जरिए कथित अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता था।

कैश निकासी और छोटे ट्रांजैक्शन भी रडार पर

छानबीन के दौरान यह भी सामने आया कि संदिग्ध लाभार्थियों तक रकम पहुंचाने के लिए नकद निकासी और अलग-अलग बैंक खातों में छोटी-छोटी राशि ट्रांसफर करने का तरीका अपनाया गया। ईडी अब इन वित्तीय लेनदेन की पूरी श्रृंखला और उनसे जुड़े लोगों की भूमिका का सत्यापन कर रही है।

डिजिटल साक्ष्यों की हो रही पड़ताल

छापेमारी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। ईडी का कहना है कि इनसे मिले इनपुट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। एजेंसी मामले के वित्तीय नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने की विकास कार्यों की समीक्षा

सतना। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने गुरूवार को नगर निगम कार्यालय के महापौर कक्ष में नगर निगम के इंजीनियरों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर में संचालित विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, समय-सीमा तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण हो तथा नागरिकों को बेहतर एवं सुगम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

अनिल सिंह बनाए गए सिविल कान्ट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष

सतना। सिविल कान्ट्रेक्टर एसोसियेसन ने गुरूवार को शहर के होटल भरहुत में एक बैठक कर नई कमेटी घोषित की। इस बैठक में आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा के साथ नई कमेटी की घोषणा की गई। इसमें गगनेन्द्र प्रताप सिंह को संरक्षक और अनिल सिंह परिहार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शेष पदाधिकारियों व कार्यसमिति की घोषणा कुछ दिनों के बाद की जायेगी।

महदेवा विद्यालय में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

सतना। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय महदेवा में ज़िला चिकित्सालय की आरबीएसके टीम के डा.चन्द्रकांत द्विवेदी एवं डा.स्मिता सिंह एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक आलोक त्रिपाठी, सर्वेश कुमार पाण्डेय, विभा मिश्रा, प्रीति श्रीवास्तव, नत्थूलाल सेन, ज्योत्सना श्रीवास्तव, इंदु त्रिपाठी, स्मृति श्रीवास्तव, अर्चना मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

[मौसम] उमस व गर्मी से लोग बेहाल

उड़ीसा से आ रहे मेघ, गिरेगी राहत की बूंदे!

÷Üø संवाददाता ■ सतना

जिले में मानसून भले ही जून में आ गया लेकिन कमजोर बारिश के चलते उमस व गर्मी में राहत नहीं मिल पा रही है। मौसम विभाग की मानें तो अभी अगले कुछ दिनों तक राहत की संभावना नहीं है। मौसम वैज्ञानिक आरके श्रीवास्तव के अनुसार उड़ीसा के तट पर बने दबाव का असर जिले में देखने को मिल सकता है। हालांकि सिस्टम काफी ऊपर बना हुआ है जो मध्यप्रदेश के ऊपर से होकर गुजरेगा ऐसे में हल्की बारिश की संभावना शुक्रवार को नजर आ रही है।

अब तक महज 247 मिलीमीटर बारिश दर्ज

जिले में इस वर्ष 1 जून से 11 जुलाई तक 242.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं गत वर्ष अब तक करीब 407 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 343.6 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 242.6 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 265.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 332.9 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 254.6 मि.मी., नागौद में 232.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 78.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 190.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है।

गत से वर्ष 300 मिलीमीटर पीछे अब तक वर्षा

जिले में गत वर्ष 1 जून से 16 जुलाई तक 565.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई 2026 को जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 711.7 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 478.2 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 648.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 467.1 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 514.4 मि.मी., नागौद में 704 मि.मी., जसो (नागौद) में 252.5 मि.मी. एवं उचेहरा में 738.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी थी।

2016 में आई थी बाढ़

जिले में वर्ष 2016 में बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई थी। वर्ष 2019-20 में 1085 मिलीमीटर, वर्ष 2020-21 में 902 मिलीमीटर तथा वर्ष 2021-22 में 886 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। लेकिन जिस तरह से इस वर्ष बारिश का रुख नजर आ रहा है उसे देखते हुए जिले में कम बारिश होने से किसानों को फसल सूखने का संकट नजर आ रहा है।

तापमान पर एक नजर

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
सोमवार	34.0	26.7
मंगलवार	35.7	28.0
बुधवार	36.5	28.2
गुरूवार	36.7	28.0

शहर के 10 जूडो खिलाड़ियों का भोपाल फाइनल ट्रायल के लिए चयन

■ टैलेंट सर्च में दमदार प्रदर्शन के बाद अब राज्य खेल अकादमी में दिखाएंगे हुनर

÷Üø संवाददाता ■ सतना

मध्यप्रदेश शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च 2026-27 के अंतर्गत दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम, सतना के मार्शल आर्ट्स हॉल में आयोजित जिला स्तरीय जूडो चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 खिलाड़ियों का चयन अब 17 जुलाई को तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल स्थित राज्य खेल अकादमी के मार्शल आर्ट्स (जूडो) हॉल में आयोजित अंतिम चयन ट्रायल के लिए किया गया है।

गौरतलब है कि जिला स्तरीय ट्रायल जिला खेल अधिकारी सुश्री रितिका दुबे की उपस्थिति में आयोजित हुआ था, जिसमें मध्यप्रदेश जूडो अकादमी की कोच एवं अंतरराष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी सुश्री गीतिका पंत ने खिलाड़ियों का परीक्षण लिया। ट्रायल में सतना जिला जूडो संघ के विभिन्न मार्शल आर्ट्स क्लबों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 50 अधिकृत खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जानकारी देते हुए सतना जिला जूडो संघ के सचिव सेंसाई अंबुज सिंह बघेल ने बताया कि पहले दिन खिलाड़ियों की रोल, फॉल, थ्रो, होल्ड, लॉक एवं चोक जैसी मूलभूत जूडो तकनीकों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद कोच गीतिका पंत ने खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया। दूसरे दिन खिलाड़ियों की रनिंग, क्लंचेज, पुश-अप, चिन-अप सहित विभिन्न शारीरिक दक्षता परीक्षण लेकर उनकी स्पीड, एंड्योरेंस और स्ट्रेंथ का मूल्यांकन किया गया।

कल्याणी क्लब ने किया पौधरोपण

÷Üø संवाददाता ■ सतना

पर्यावरण संरक्षण व हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से कल्याणी क्लब की अध्यक्ष पूनम रल्हन के नेतृत्व में क्षेत्र में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम, अमरूद, आंवला, पपीता एवं केला जैसे अनेक फलदार वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। श्रीमती पूनम रल्हन ने कहा कि फलदार वृक्ष न केवल पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पोषण और प्राकृतिक संसाधनों का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमलेश चामड़िया का विशेष योगदान रहा। उनके साथ रीमा कैला, रेखा कैला, रुचिका खेड़ा, ज्योति नायक, रत्ना गुप्ता एवं अनीता शर्मा सहित क्लब की अन्य सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया।

मातृछाया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर व सेवा कार्यक्रम आयोजित

÷Üø संवाददाता ■ सतना

जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी, सतना द्वारा गुरुवार को संरक्षक श्री सोहन शर्मा एवं श्री अशोक सुखरामानी के सानिध्य में मातृछाया (उतैली एरोड्रम रोड) में निवासरत बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं आवश्यक जरूरतों की पूर्ति के साथ उन्हें स्नेह और अपनापन प्रदान करना रहा।

शिविर में प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.के. राजपाल ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिए। इस अवसर पर बच्चों को हिमालय बेबी किट, वस्त्र, तौलिये, दूध की बोतल, मिल्क पाउडर, टोस्ट, दीदी जो बच्चों की देख रेख करती है उन सभी को साड़ियां बच्चों के कपड़े चॉकलेट तथा अन्य दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष डॉ. दीपक सोई ने कहा कि 'मासूम बच्चों की सेवा ही प्रभु की सच्ची सेवा है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।' उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर बच्चों को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान करें। इस अवसर पर सेवा भारती के अध्यक्ष प्रदीप सक्सेना, डॉ. दीपक सोई, बसंत शर्मा, मोना चोपड़ा, सोहन शर्मा, अशोक सुखरामानी, राखी होतचंदानी, सिमरन होतचंदानी, डॉ. मनीषा सोई, सरिता सिंह, विनोद गेलानी एवं श्याम लाल गुप्ता 'श्यामू' सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है' और मातृछाया में रह रहे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें अपना स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

बरगी टनल कार्य की पूर्णता प्रसन्नता का विषय : सुरेंद्र शर्मा

÷Üø संवाददाता ■ सतना

पूर्व में गठित नर्मदा जल लाओ संघर्ष समिति के प्रवक्ता अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बरगी टनल कार्य की पूर्णता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश की सबसे लंबी टनल के कार्य की पूर्णता पर 17 वर्ष लगे जल्दी ही इससे जल का प्रवाह होगा। इस परियोजना से अब विंध्य में नर्मदा जल आने का मार्ग प्रशस्त हो गया इस सिंचाई परियोजना (टनल) से हजारों किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा इस महत्वपूर्ण जल सुरंग से सतना मैहर रीवा पन्ना के 1 लाख 35 हजार 573 हेक्टेयर कृषि भूमि संचित होगी और किसानों की फसलों को लाभ मिलेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि इस कार्य की धीमी गति को बढ़ाने नर्मदा सेनानियों ने पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह के नेतृत्व में खेरूआ सरकार को मांग पत्र के साथ जोरदार अभियान जनसमर्थन के साथ शुरू किया था और बाद में राज्य सरकार, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव नागौद विधायक पूर्व मंत्री नागेन्द्र सिंह और सतना सांसद गणेश सिंह सहित सभी जनप्रतिनिधियों विभागीय अधिकारी कर्मचारी और संकल्पित नर्मदा सेनानियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही जिसने टनल कार्य को अंजाम तक पहुंचाया।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में तीन दिवसीय फस्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

÷Üø संवाददाता ■ सतना

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) में दिनांक 15 जुलाई 2026 को तीन दिवसीय फस्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 जुलाई से 15 जुलाई तक तीन शिफ्टों में आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तथा कार्यस्थल पर आपातकालीन चिकित्सा एवं व्यावहारिक प्राथमिक उपचार से संबंधित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों की लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई तथा सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी रीवा के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी सहित डॉ. आनंद महिन्द्रा, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, विजय तिवारी एवं जगजीवन पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की ओर से राजेश कुमार ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी ने फस्ट एड प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार जीवनरक्षक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कार्यस्थल पर प्रत्येक कर्मचारी के लिए प्राथमिक उपचार का ज्ञान अत्यंत आवश्यक बताया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मनीष कुमार सिंह (प्रेसिडेंट एवं प्लांट हेड) तथा डॉ. मनीष कुमार सिन्हा (हेड कॉर्पोरेट एचआर एवं हेड एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स, सीमेंट डिवीजन) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। उपरोक्त विषय की जानकारी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम सीएसआर एंड पीआर देवेन्द्र मिश्रा ने दी।

बी.वी. श्रीनिवास बने कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय मुख्य संगठक

सतना। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव एवं पन्ना-मैहर जिले के प्रभारी रामप्रताप कुशवाहा 'लाला' के

अनुसार अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल की कमान बी.वी. श्रीनिवास को सौंप दी गई है। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा उन्हें सेवादल का राष्ट्रीय मुख्य संगठक नियुक्त किया गया है। बी.वी. श्रीनिवास इससे पूर्व भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं तथा भारत जोड़ो यात्रा में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नव नियुक्त राष्ट्रीय मुख्य संगठक बी.वी. श्रीनिवास का पदभार ग्रहण समारोह 23 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सतना, पन्ना एवं मैहर जिलों से कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रवाना होंगे।

एकेएस में विश्व युवा कौशल दिवस पर मंथन

■ कौशल विकास से ही आत्मनिर्भर भविष्य का निर्माण

÷Üø संवाददाता ■ सतना

बदलते वैश्विक परिदृश्य में कौशल ही युवाओं की सबसे बड़ी पूंजी है। इसी विचार को केंद्र में रखकर एकेएस विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) तथा शोध, नवाचार, उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र (सीआरआईआईएसडी) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व युवा कौशल दिवस-2026 पर विवेकानंद सभागार में संगोष्ठी आयोजित की गई। 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रोजगार, उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता से जुड़े कौशलों के महत्व से परिचित कराया गया।

प्रो-वाइस चांसलर प्रो. हर्षवर्धन ने कहा कि आज केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक दक्षता ही युवाओं को प्रतिस्पर्धी दुनिया में पहचान दिलाती है। उन्होंने बताया कि एकेएस विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम तथा भारत सरकार के विभिन्न सेक्टर स्किल काउंसिलों के सहयोग से विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। प्रो-वाइस चांसलर प्रो. आर.एस. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से निरंतर सीखते रहने और समय की मांग के अनुरूप अपनी दक्षताओं को विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह व्यवहार में उतरकर व्यक्ति को सक्षम और आत्मविश्वासी बनाए।

प्रो-वाइस चांसलर प्रो. जी.सी. मिश्रा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख, उत्तरदायी और समाजोपयोगी बनाना है। उन्होंने कौशल विकास को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों से नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

रोटरैक्ट क्लब सतना की स्वर्ण जयंती पर सम्मानित हुए पुरुषोत्तम अग्रवाल

सतना। रोटरी अंतरराष्ट्रीय की युवा शाखा रोटरैक्ट क्लब सतना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती समारोह भव्यता पूर्वक मनाया गया। सतना में क्लब की स्थापना 11 जुलाई 1976 में हुई थी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित कर अवार्ड दिया गया। इसी कड़ी में सन् 1987-88 में अध्यक्ष रहे वरिष्ठ समाजसेवी पुरुषोत्तम अग्रवाल को उनकी विशिष्ट सेवाओं एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। श्री अग्रवाल की अनुपस्थिति में उनके पुत्र प्रियम अग्रवाल एवं पुत्रवधु तनुल अग्रवाल ने यह सम्मान मुख्य अतिथि आगामी रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनकेश्वर नाथ पांडे, डीआरआर डॉक्टर गरिमा सिंह एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों द्वारा ग्रहण किया।

[स्वागत] दो दिवसीय प्रवास के दौरान संगठन विस्तार पर दिया जोर

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

÷Üø संवाददाता ■ सतना

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के दो दिवसीय सतना प्रवास ने संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया। जिलेभर में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष रावेन्द्र सिंह के नेतृत्व में जिले के लगभग 35 स्थानों पर प्रदेश अध्यक्ष का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। प्रवास के दौरान शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक स्वागत कार्यक्रमों की श्रृंखला चली। निर्धारित सभी स्वागत स्थलों पर कार्यकर्ताओं ने अनुशासन और संगठनात्मक एकजुटता का परिचय देते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाया। स्वागत के दौरान बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

जगह-जगह हुई आगवानी, हुआ स्वागत

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत कोटर में फूलचंद सोनी, बाबूपुर में सत्येंद्र केवट एवं शैलेंद्र शर्मा, रामपुर में शिवांक त्रिपाठी, रामायण सिंह एवं रज्जन सिंह, इचौल नाका पर जिलाध्यक्ष रावेन्द्र सिंह, सेमरिया चौराहा पर गीतेश्वर सिंह, विक्रम सिंह कार्यालय के सामने तेजबली यादव एवं रामपाल यादव ने किया। इसी प्रकार उंचेहरा में अनुराग सिंह गुड्डा, भरहुत मोड़ पर रजनीश लोधी एवं ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू, सतना नदी तिराहा पर आशीष कुशवाहा, सिटी कोतवाली पर संजय अग्रवाल एवं संतोष सोनी, सर्किट हाउस में अरविंद मिश्रा, भरहुत नगर मोड़ पर दीपेन्द्रनाथ त्रिपाठी तथा भाजपा कार्यालय में सीमा यादव, मनीषा सिंह, करण पटेल एवं प्रवीण सोनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रवास के दूसरे दिन कोठी में अजय द्विवेदी, प्रवीण सोनी, दीपक यादव तथा रामवन में मृगेन्द्र सिंह परिहार एवं अनंत सिंह सहित अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का भव्य अभिनंदन किया।

सांसद निवास पहुंच कर की संगठनात्मक विषयों पर की चर्चा

प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने सांसद गणेश सिंह के सतना स्थित आवास पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। सांसद गणेश सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच जिले में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण अभियान, पिछड़ा वर्ग समाज के बीच संगठन के विस्तार तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सांसद गणेश सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष को सतना में संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना की, वहीं पवन पाटीदार ने जिले में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत की प्रशंसा करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय बताया।

अमर ज्योति की प्रेरणा से दंपती ने लिया देहदान का संकल्प

■ कमलेश सिंह व श्रीमती गेंदा बाई ने समाज को दिया मानव सेवा का प्रेरक संदेश

÷Üø संवाददाता ■ सतना

मानव सेवा के सर्वोच्च कार्यो में शामिल देहदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है। कोटर निवासी श्री कमलेश सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गेंदा बाई सिंह ने अपने बेटे की प्रेरणा से आज देहदान का संकल्प लेने का निर्णय लिया।

दोनों दंपती ने कहा कि ईश्वर ने उन्हें एक सुखद एवं सार्थक जीवन प्रदान किया है। अब उनका भी यह नैतिक दायित्व है कि जीवन के अंतिम पड़ाव के बाद भी उनका शरीर मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के कार्य में उपयोगी बने। उन्होंने कहा, 'प्रभु ने हमें इतना अच्छा जीवन दिया है। अब हमारा भी धर्म बनता है कि हम अपने जीवन के बाद भी समाज के लिए कुछ कर सकें। यदि हमारे देहदान से किसी को जीवन की राह मिले या चिकित्सा शिक्षा को सहयोग प्राप्त हो, तो इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। '

अमर ज्योति की प्रेरणा से आयोजित इस देहदान संकल्प कार्यक्रम में दंपती औपचारिक रूप से अपनी सहमति प्रदान किया। यह पहल समाज में देहदान और अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस महापुण्य कार्य के लिए प्रेरित करने का संदेश देती है।

देहदान संकल्प कार्यक्रम रामलल्ला संगठन, बाबा मेहर शाह दरबार के बगल, सिंधी कॉलोनी, सतना में आयोजित हुआ, जहां सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहें। आयोजकों ने समाज के लोगों से इस प्रेरणादायी अभियान से जुड़कर मानव सेवा के इस महान संकल्प को आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। इस दौरान संयोजक मनोहर डिग्वानी मनोज अरोरा विनोद गेलानी श्याम लाल गुप्ता श्यामू अरविन्द सिंह रूपचन्द छूट्टानी उपस्थित रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगारों के लिए लाखों रिक्त पदों को भरने के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाए: अजय खरे

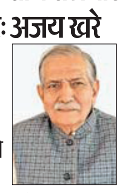

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि संसद में परिसीमन बिल को किसी तरह पास कराने के लिए मोदी सरकार ने पूरा जोर लगा रखा है। लेकिन देश के करोड़ों बेरोजगारों के भविष्य के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में धांधली के सवाल पर सरकार अपनी जवाबदेही से भाग रही है। वहीं सांसदों की संख्या में बढ़ोतरी कराने वाले परिसीमन बिल को पारित कराने लोकसभा एवं राज्यसभा के विपक्षी दलों के सांसदों को एनडीए में लाने के लिए सारे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। तीन माह पहले परिसीमन बिल अप्रैल 2026 में संसद में रखा गया था, लेकिन दो-तिहाई बहुमत (352 वोट) न मिलने के कारण यह बिल गिर गया था। इस बिल को महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए पेश किया गया था। श्री खरे ने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को संसद की वर्तमान संख्या के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। परिसीमन और महिला आरक्षण के नाम पर संसद सदस्यों की सीटों में वृद्धि की बात देश की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ होगा। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा कि मोदी सरकार को देश के करोड़ों बेरोजगारों के भविष्य की जरा भी चिंता नहीं है। लाखों नौकरियों के रिक्त पदों को अभी तक नहीं भरा गया है। बहुमत प्राप्त दल की तानाशाही से देश को अघोषित आपातकाल जैसे हालातों से गुजरना पड़ रहा है।

ढेकहा मोहल्ले में बिजली विभाग खेल रहा आंख मिचौली का खेल

रीवा। रीवा के वार्ड क्रमांक 5 ढेकहा में भीषण गर्मी के दौरान बार बार बिजली ट्रिपिंग कटौती से आम जनता और बच्चे परेशान हैं। बिजली विभाग द्वारा मोहल्ले में आंख मिचौली का खेल खेला जा रहा है,जो मोहल्लेवासियों को रास नही आ रहा। बार-बार ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्या के कारण लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बार बार दिन में भी और रात में भी बिजली कटौती से जनता का आक्रोश में है भाजपा शासित राज्य रीवा शहर में भी इस तरह बिजली कटौती के कारण स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने नाराजगी जताई है। बिजली गुल होने से घरेलू कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और छोटे कारोबार प्रभावित हो रहे हैं।

सपा महिला सभा की अध्यक्ष बनी सरोजिनी यादव

रीवा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पीडीए विचारधारा को मजबूती प्रदान करने सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव के अनुशंसा पर सपा जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल ने कृष्णा नगर रीवा निवासी श्रीमती सरोजनी सिंह यादव को सपा महिला सभा जिला अध्यक्ष रीवा की जिम्मेदारी सौंपी है। श्रीमती सरोजनी सिंह यादव ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव एवं सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति निष्ठा जाहिर करते हुए पार्टी के सिद्धांतों एवं विचारों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ सभी का आभार व्यक्त किया है। उक्त जानकारी सपा मीडिया प्रभारी जय पटेल ने दी है।

भाजपा रूपी माला को सभी मोर्चा रूपी फूल मिलकर सुशोभित करते है:पाटीदार

■ पिछड़ावर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का प्रथम नगर आगमन, हुआ स्वागत

नगर संवाददाता ■ रीवा

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ावर्ग मोर्चा पवन पाटीदार के प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यालय अटल कुंज में स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिछड़ावर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र (राजेश) यादव ने किया। सम्मेलन में मुख्य रूप से सांसद जनार्दन मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा राव उदय प्रताप सिंह, राम पटेल, जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल, विवेक गौतम, जीवनलाल साकेत, पूर्व जिलाध्यक्ष पिछड़ावर्ग मोर्चा रविराज विश्वकर्मा, प्रदेश मंत्री अजा मोर्चा सीताराम साकेत उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष शरद साहू ने किया व आभार जिला मंत्री रविराज विश्वकर्मा द्वारा किया गया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पिछड़ावर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछड़ावर्ग हमेशा से सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भाजपा का साथ दिया है। पिछड़ा वर्ग के लिए हमारी सरकार ने कई योजना लागू किया है। पिछड़ावर्ग का देश के नव निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। भाजपा रूपी माला को सभी मोर्चा रूपी फूल मिलकर सुशोभित करते हे। आज देश जिस तरह विकास कर रहा है जो पहले हो सकता था पर दूसरी सरकारे जाति को जाति से लड़ाने का कार्य करती रही।

सामाजिक समरसता में रीवा जिला अतिसंवेदनशील रहा:सांसद जनार्दन

कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सामाजिक समरसता में रीवा जिला अति संवेदनशील रहा है। यहां का पिछड़ावर्ग कांग्रेस के विरोध मे हमेशा विपक्ष की भूमिका निभाई है। केन्द्र सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना, लाडली बहना योजना एवं किसान समृद्धि योजना से पिछड़ावर्ग के लोगो काफी लाभ हुआ है। कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा भाजपा की विचारधारा अंत्योदय से शुरू होती है और हमारी पार्टी सभी समाज के लोगो के लिए अलग अलग योजनाओं के माध्यम से उनके विकास का कार्य करती है। स्वतंत्र भारत में पहला बलिदान हमारे पार्टी द्वारा दिया गया है।

जगह-जगह हुआ अभिनन्दन

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ावर्ग मोर्चा पवन पाटीदार के प्रथम नगर आगमन पर चन्द्रलोक होटल चोरहटा बाईपास, गोड़हर मोड़, पड़रा सहित विभिन्न स्थानों व भाजपा कार्यालय अटल कुंज तक जगह जगह पिछड़ावर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत व अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह गहरवार, राजेश प्रताप सिंह, जिला मंत्री बिजेन्द्र गौतम, सुमन शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि नगर पालिक निगम रमाशंकर गुप्ता,पार्षद सालिकराम नापित, ज्योति सिंह, गंगा यादव, अमिता वीरेन्द्र सिंह, अम्बुज रजक, दारा सिंह, समीर शुक्ला, सतीश सोनी, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी, भूपेन्द्र सिंह,प्रमोद साहू, शैलू यादव, सौखीलाल कोल, प्रकाश सोनी, अमरेश पाण्डेय, मुकेश पटेल, भूपेन्द्र विश्वकर्मा, कमल सोनी, बृजेश पाठक, बंशी साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत हुए रीवा के गौरव

नगर संवाददाता ■ रीवा

पुलिस विभाग में सेवारत जिले के मनिकवार निवासी गौरव सिंह तिवारी सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत हुए हैं। वर्तमान में इनकी पदस्थापना सागर जिले में है। गौरव की पदोन्नति से हर्षित पिता हरगोविन्द सिंह तिवारी,भाई पंकज तिवारी, गुरु और मार्गदर्शक डॉ.देवेंद्र मिश्रा ,मित्र ऋषिराज गौतम उप जिला मीडिया अधिकारी सहित तमाम शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।सभी ने आशा व्यक्त की है कि वे अपने नए दायित्वों का निर्वहन भी उसी ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ करेंगे, जिससे समाज में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में चलाया गया नशामुक्त जागरूकता अभियान

रीवा। खेल और युवा कल्याण विभाग एवं पुलिस विभाग तात्वाधान में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में ''नशे से दूरी है जरूरी'' नशामुक्ति जागरूकता अभियॉन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा के खेल मैदान मे दिनांक 16जून को अखिल विश्व गायत्री परिवार के राजेश कुमार शर्मा, संयोजक, रवीन्द्र सिंह जिला समन्वयक एवं सदस्यो की उपस्थिति में ष्नशा मुक्त भारत अभियानष् भारत सरकार द्वारा नशामुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक अभियान है।

चित्रांश परिवार को सामाजिक भवन का मिला उपहार

नगर संवाददाता ■ रीवा

लंबे समय से समाज के लिए एक स्थायी कार्यालय एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। लगभग छह माह के सतत प्रयासों के बाद यह संकल्प आज साकार हुआ। प्रयागराज निवासी अनूप कुमार श्रीवास्तव ने अपनी पैतृक संपत्ति पद्मधर कॉलोनी, एल.आई.जी.-208, रीवा को चित्रांश परिवार कायस्थ समाज रीवा को दान स्वरूप समर्पित किया। यह भवन उन्होंने अपने पूज्य चाचा स्वर्गीय कैलाश शंकर श्रीवास्तव की पुण्य स्मृति में समाज को अर्पित किया है। इस भवन का उपयोग समाज की विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ सनातन लाइब्रेरी की स्थापना हेतु किया जाएगा। इस भवन में आयोजित एक सादे एवं श्रद्धापूर्ण कार्यक्रम में भगवान चित्रगुप्त एवं वास्तु देवता का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। तत्पश्चात अनूप कुमार श्रीवास्तव ने भवन की चाबी चित्रांश परिवार कायस्थ समाज रीवा के अध्यक्ष सुशील खरे को सौंपी। इस अवसर पर अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि समाज अध्यक्ष सुशील खरे के नेतृत्व में यह भवन समाज सेवा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा भगवान चित्रगुप्त की कृपा से समाज के सभी संकल्प सफलतापूर्वक पूर्ण होंगे।

खाद बीज के सवाल पर 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू

नगर संवाददाता ■ रीवा

खाद, बीज, बिजली की समस्या को लेकर मध्य प्रदेश किसान सभा एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश व्यापी आवाहन पर दो दिवसीय भूख हड़ताल रीवा के करहिया मंडी में शुरू हुई। पूरे जिले में खाद की भीषण समस्या है खाद के लिए पूरे जिले के किसान सरकार की नई ई टोकन प्रणाली से परेशान हैं,किसान अपने हिसाब से खाद का चयन नहीं कर पा रहे हैं,कहीं यूरिया उपलब्ध नहीं तो कहीं डीएपी एनपीके उपलब्ध नहीं है,किसानों को टोकन बुक करने में जिले जिले के बाहर की दुकान में टोकन बुक हो रहा है। सरकार से मांग है की ई टोकन प्रणाली बंद कर पुरानी वितरण प्रणाली से किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध खाद उपलब्ध कराई जाए। बीज के दाम भी आसमान छू रहे हैं एवं नकली बीज बाजार में बिक रहे,इसी तरह बिजली का भी संकट किसानों के सामने है। इस आंदोलन में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अमित सोहगौरा,मप्र किसान सभा के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष रामजीत सिंह,किसान सभा जिला महासचिव रामनरेश सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य मानसिंह जिला अध्यक्ष सीटू गिरजेश सिंह सेंगर किसान सभा प्रदेश सचिव शिवराम सिंह किसान नेता सुब्रतमणि त्रिपाठी संजय निगम भैयालाल त्रिपाठी तेजभान सिंह सौखीलाल तिवारी वीरेंद्र सिंह एड जितेंद्र सिंह सतेन्द तिवारी भीमेंद्र द्विवेदी दीपक सिंह अशोक कुमार चतुर्वेदी वीरेंद्र सिंह राकेश सिंह शिवपाल सिंह आदि किसान उपस्थित रहे। भूख हड़ताल कल दोपहर 12 बजे तक चलेगी।

रिमारी में जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज की पदयात्रा का भव्य स्वागत

■ सरपंच प्रदीप सिंह दीपू एवं धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुआ अभिनंदन

नगर संवाददाता ■ रामबाग

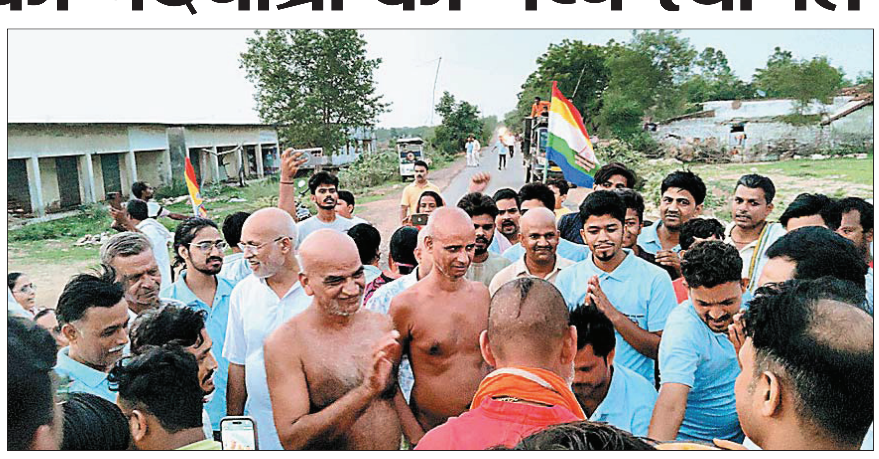

रीवा जिले के रिमारी ग्राम में श्री श्री 108 जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज एवं पूज्य सागर महाराज की पदयात्रा का ग्रामवासियों ने अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। ग्राम पंचायत बड़ाछ के सरपंच प्रदीप कुमार सिंह दीपू तथा समाजसेवी धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पदयात्रा में शामिल होकर संतों का अभिनंदन किया।इस अवसर पर सरपंच प्रदीप कुमार सिंह %दीपू% ने पूर्ण श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ जैन मुनि का पद प्रक्षालन एवं दीप आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वागत समारोह में पनवार थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज का रात्रि विश्राम रिमारी में हुआ। जागरण उपरांत प्रातः लगभग 5 बजे पुनः पदयात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें सरपंच, ग्रामवासी एवं श्रद्धालु रामबाग तक उनके साथ यात्रा में शामिल रहे।इस दौरान पूज्य सागर महाराज ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में जैन धर्म की गूढ़ एवं कठिन तप-साधना का महत्व बताते हुए सभी से शाकाहार अपनाने, नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक जीवन जीने का संकल्प लेने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत संगम देखने को मिला। पदयात्रा एवं स्वागत समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

सांसद जनार्दन ने सीएससी संचालकों व ओलंपियाड छात्रों का किया सम्मान

■ अटल ई-सेवा प्राधिकार पत्र किया वितरित

नगर संवाददाता ■ रीवा

। सीएससी के 17 वर्ष पूर्ण होने पर सीएससी दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभागार रीवा में किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत राज्य कार्यालय एवं जिला कार्यालय सीएससी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा सांसद जनार्दन मिश्र रहे,उन्होंने सीएससी संचालक को सीएससी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा ग्राम स्तर पर किए गए कार्यों की सराहना की,उनके द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी संचालकों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल द्वारा महिला सीएससी संचालकों का सम्मान किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सीएससी के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिए सीएससी अटल ई सेवा केंद्रों का प्राधिकार पत्र वितरित किया गया। सीएससी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर केंद्रीय विद्यालय की छात्रा सृष्टि मिश्रा को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। सीएससी दिवस कार्यक्रम में जिला पंचायत, श्रम विभाग, आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा प्रतिनिधि, विभिन्न सीएससी चैनल पार्टनर के साथ ही राज्य कार्यालय से बीमा प्रमुख रवि सिंह, राज्य परियोजना प्रबंधक संकल्प सोनी उपस्थित रहे । जिला प्रबंधक सीएससी रवि शंकर मिश्रा, विक्रम पांडेय द्वारा कार्यक्रम में सीएससी द्वारा दी जा रही सेवाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में 200 से ज्यादा सीएससी संचालक उपस्थित रहे।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान सेमरिया में हुआ तेज

शिवा ने स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

नगर संवाददाता ■ रीवा

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत सेमरिया थाना पुलिस ने संस्कार शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल, सेमरिया में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में एसडीओपी रूपेंद्र धुर्वे एवं थाना प्रभारी सेमरिया शिवा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा और भविष्य को बर्बाद कर देता है। युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में है तो उसे समझाने का प्रयास करें तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई। सभी विद्यार्थियों ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे, दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा अपने परिवार और समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे।

नशे के दुष्प्रभावों पर हुई खुलकर बात

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराध, सामाजिक जिम्मेदारियों और कानून का पालन करने के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, थाना सेमरिया का पुलिस स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

जीडीसी में पीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ

नगर संवाददाता ■ रीवा

16 जुलाई को आयुक्त रीवा संभाग रीवा शीलेंन्द्र सिंह के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. महेन्द्रमणि द्विवेदी के मुख्य अतिथ्यि में शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा में छात्राओं हेतु म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग के परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ महाविद्यालय के सभागार में हुआ। उद्घाटन सत्र के पूर्व कोचिंग क्लासेस हेतु उपस्थित छात्राओ का नामांकन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा रीवा संभाग रीवा के अतिरिक्त संचालक डॉ. महेन्द्रमणि द्विवेदी रहे एवं अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विभा श्रीवास्तव थी। प्राचार्य डॉ. विभा श्रीवास्तव द्वारा कोचिंग क्लासेस की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओ से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में कोचिंग क्लासेस हेतु अपना नामांकन कराये एवं प्रतिदिन निर्धारित समय पर कक्षाओं में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अमरजीत कुमार सिंह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने पावर प्वाइंट के माध्यम से राज्य लोक सेवा परीक्षा विभिन्न स्तरो एवं पाठ्यक्रम का विस्तार से वर्णन किया। मुख्य अतिथि डॉ. महेन्द्रमणि द्विवेदी ने बताया कि क्यो रीवा संभाग रीवा के आयुक्त शीलेन्द्र सिंह ने महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क कोचिंग की आवश्यकता पर बल दिया और उन्हीं निर्देश पर वे प्रयासरत है कि सभी महाविद्यालयों में अनुभवी प्राध्यापको द्वारा निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था प्रारंभ की जाएगी ताकि अध्ययनरत छात्र-छात्राऐ जो आर्थिक कमजोरी के कारण महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेष नही ले पाते है उन्हें एक गुणवत्तापूर्ण कोचिंग क्लासेस की व्यवस्था उनके अध्ययरत संस्था में ही उपलब्ध हो। उक्त उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन समिति के सदस्य एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र जायसवाल ने किया।

संपादकीय

सभ्यता को मिटाता युद्ध

यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोर्चाबंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे। बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय मारा गया है। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है। एकदम जहाज के इंजन रूम पर मिसाइलें दागने का समुद्री आवागमन की कोई भी वैश्विक रणनीति नहीं है। इस युद्ध में सब कुछ अंधाधुंध चल रहा है। कोई नैतिकता नहीं, कोई युद्ध नीति और आचार संहिता नहीं। अंतरराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं तो मृतप्राय: हैं। बहरहाल खाड़ी देशों में ही 18,000 से अधिक भारतीय विभिन्न जहाजों पर नाविक का दायित्व निभा रहे हैं। विश्व भर के समंदर पर 3 लाख से अधिक भारतीय नाविक जहाजों का संचालन कर रहे हैं। क्या वे सभी मरने के लिए जहाजों पर नौकरी कर रहे हैं? यदि आंख मूंद कर मिसाइल-ड्रोन दागे जाएंगे, तो समुद्री मार्ग ही 'जहाजविहीन' होने लगेगा। वैश्विक व्यापार और सप्लाई चेन का क्या होगा? देश भूखों मरने लगेंगे, बीमारी की स्थिति में दवाइयां नसीब नहीं होंगी, रक्षा उत्पाद, कृषि के अन्न, मशीनरी, दुर्लभ खनिज कैसे आ-जा सकेंगे? भारत का करीब 95 फीसदी व्यापार मात्रा में और 70 फीसदी मूल्य के हिसाब से समुद्री मार्गों से ही संचालित होता है। क्या अमरीका और ईरान ऐसे व्यापक व्यापार को ठप कर देने पर आमादा हैं? हमारे विदेश मंत्रालय ने रस्मी बयान देकर जहाज पर हमले की निंदा तो की है, लेकिन हम अमरीका और ईरान को चेतावनी देने की स्थिति में नहीं है। यदि ये नाविक चीन के होते, तो अभी तक गदर तेज हो गया होता।

परेशान करती सरकार व समाज की चुप्पी

विश्वनाथ सचदेव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश की राजधानी दिल्ली में 'कॉकरोच पार्टी' का आंदोलन जारी है। लगभग एक महीना होने को आया देश के युवाओं की टोलियों को देश के शिक्षामंत्री का इस्तीफा मांगते हुए। उनका कहना है 'नीट' की परीक्षा में होने वाली धांधली और अनेक युवाओं द्वारा की गई आत्महत्याओं की जिम्मेदारी किसी को तो लेनी होगी। सवाल शिक्षामंत्री के इस्तीफे मात्र का नहीं है, सवाल जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की आपराधिक अनदेखी करने का भी है। इस बीच लद्दाख के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को भी जंतर-मंतर पर आमरण अनशन करते हुए सोलह दिन से अधिक हो गये हैं। और जब मैं यह शब्द लिख रहा हूं, सोशल मीडिया पर यह समाचार वायरल हो रहा है कि वांगचुक की स्थिति ठीक नहीं है। हैरानी की बात तो यह है कि युवाओं के आंदोलन के इतने दिन बीत गये, वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है, और सरकार के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही!

क्या यह सही नहीं है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली के चलते पंद्रह से अधिक युवाओं ने आत्महत्या कर ली? इस धांधली और युवाओं की मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका कोई समुचित जवाब सरकार ने अब तक नहीं दिया है। यह सही है कि इस बीच 'नीट' की परीक्षा फिर से करवा ली गयी है, पर क्या यह सही नहीं है कि लाखों विद्यार्थियों ने भयंकर मानसिक दबाव में यह परीक्षा फिर से दी है? कोई तो उत्तरदायी होगा इस सारी स्थिति के लिए। मामला शिक्षा में धांधली का है, तो क्यों न शिक्षामंत्री को इसके लिए उत्तरदायी माना जाये? होना तो यह चाहिए था कि देश के शिक्षामंत्री स्वयं आगे बढ़कर नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देकर एक उदाहरण प्रस्तुत करते। पर उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उलटे भाजपा वाले बड़े गर्व से यह कहते नहीं थक रहे कि उनकी सरकार में पद से इस्तीफा देने की परम्परा नहीं है।

सवाल पूछा जाना चाहिए कि संबंधित मंत्री जवाबदेही क्यों न स्वीकारें। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने वाले प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस महत्वपूर्ण प्रकरण के बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है। 'नीट' के लगभग बीस उम्मीदवारों की आत्महत्या क्या कोई इतना छोटा मामला है कि देश के प्रधानमंत्री को इस बारे में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई? यहां यह कहना असंगत नहीं होगा कि 2021 से लेकर 2026 तक 'नीट' से जुड़े ऐसे नब्बे से अधिक मामले सामने आये हैं। इस बार लगभग 23 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी थी। सब जानते हैं कि इस परीक्षा की तैयारी कोई खेल नहीं होती। भयंकर दबाव में रहते हैं प्रतीक्षार्थी। आत्महत्या करने वाले अभागे छात्र इस दबाव को झेल नहीं पाये। कल्पना की जा सकती है कि इनके अभिभावकों पर क्या गुजर रही होगी। क्या उनकी पीड़ा सरकार के वरिष्ठ नेताओं से सांत्वना के दो शब्द पाने लायक भी नहीं थी? तो फिर यह चुप्पी क्यों?

इस चुप्पी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह सही है कि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं की तुलना कॉकरोच से किये जाने के बाद कॉकरोच पार्टी के गठन को पहले हल्के में ही लिया गया था। बोस्टन में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके ने शायद मजाक में ही मुख्य न्यायाधीश की बात पर सोशल मीडिया से यह सवाल उछाला था कि 'यदि सारे कॉकरोच इकट्ठे हो गये तो?' इस 'तो' के उत्तर में जब हज़ारों की संख्या में युवा समर्थकों ने मुख्य न्यायाधीश के कथन की आलोचना करते हुए विरोध की आवाज़ उठायी तो बात गंभीर होती गयी। यह सही है कि आज भी संस्था की दृष्टि से इस आंदोलन को उतनी सफलता नहीं मिल पायी, जितनी मिल जानी चाहिए थी, पर जो समर्थन इसे देश में मिल रहा है, वह कम भी नहीं है। कम से कम इतना कम तो नहीं कि इसकी उपेक्षा की जाये।

आखिर युवा यही तो पूछ रहे हैं कि परीक्षा में धांधली का जिम्मेदार कौन है? छात्रों की आत्महत्या करने के लिए बाध्य करने के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? वांगचुंक और उनके साथ कई छात्रों को अनशन पर क्यों बैठना पड़ा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारी समूची व्यवस्था इतनी असंवेदनशील और अनुत्तरदायी कैसे हो गयी है?

एक और सवाल जो हमारी चिंता का विषय बनना चाहिए वह हमारे मीडिया की असंवेदनशीलता का है। जंतर-मंतर पर हजारों युवा देश के शिक्षामंत्री के खिलाफ लगभग एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। खुले मैदान में ये छात्र गर्मी और बरसात झेल रहे हैं। भूख हड़ताल पर बैठे युवाओं में से कइयों को बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया है। मुद्दा देश के युवाओं के भविष्य का है। लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पर इस सबको लेकर देश की मुख्यधारा का मीडिया ज़रा भी चिंतित नहीं दिखाई दे रहा। आपराधिक चुप्पी सरकार ही नहीं बरत रही, हमारे मीडिया ने भी वैसी ही चुप्पी साध रखी है। आखिर क्यों? यह एक शर्मनाक हकीकत ही है कि यदि हमारा सोशल मीडिया सक्रिय न होता तो जंतर-मंतर के इस प्रदर्शन की जानकारी भी देश को न हो पाती।

आंदोलन कैसे चल रहा है, आंदोलन के प्रति समाज का रवैया कैसा है, सरकार की चुप्पी का रहस्य क्या है, जैसे सारे सवाल अनुत्तरित ही रह जाते यदि सोशल मीडिया इस संदर्भ में सक्रिय न होता। महीने भर से देश का युवा उद्वेलित है, राजधानी दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य शहरों में भी युवा-शक्ति सड़कों पर है, पर अखबारों में इसकी कोई जानकारी नहीं दिखती। हमारे प्रधानमंत्री की विदेश-यात्राओं में भारतीय मूल के लोगों की 'भीड़' को दिखाने की तत्परता तो हमारे मीडिया में खूब दिख रही है, पर देश की राजधानी दिल्ली में लगातार जुट रहे युवा जैसे मीडिया को दिखाई ही नहीं दे रहे! जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की दुहाई देने वाले विश्व के सबसे बड़े जनतांत्रिक देश में मीडिया का यह रुख हैरानी ही नहीं, शर्म और चिंता की बात भी है।

मीडिया का दायित्व है कि वह समाज को स्थिति की गंभीरता और भयावहता से परिचित कराये। सरकार से सवाल पूछे कि वह इस गंभीर विषय पर कुछ कहने-करने से क्यों कतरा रही है? सवाल सिर्फ शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं है, उस सारी स्थिति के आकलन का है जिसके चलते छात्रों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है। सवाल हमारी शिक्षा नीति के औचित्य को लेकर भी उठ रहे हैं। मेडिकल या इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं भी सवालों के घेरे में हैं। शिक्षामंत्री कह रहे हैं 2027 तक ये सारी परीक्षाएं कम्प्यूटर-आधारित कर दी जायेंगी। कोई उनसे यह क्यों नहीं पूछ रहा कि क्या तबतक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों तक कम्प्यूटर की सुविधा पहुंच जायेगी? आज स्थिति यह है कि देश के साठ प्रतिशत सरकारी स्कूलों में ही कम्प्यूटर उपलब्ध है। शेष चालीस प्रतिशत स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र क्या घाटे में नहीं रहेंगे?

बहरहाल, आज जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, और उसे लेकर समाज में जो कुछ नहीं हो रहा है, वह कुल मिलाकर राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि हमारी सरकार युवा-शक्ति की परेशानी को समझने की कोशिश करती, पर उसने चुप्पी साध रखी है। होना तो चाहिए था कि हमारा मीडिया इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुखर होता, पर उसने भी रहस्यमय चुप्पी साधने का रास्ता अपनाया है। आखिर क्यों? इस 'क्यों' का उत्तर मिलना ही चाहिए। देश की युवा-शक्ति को कॉकरोच कहे जाने पर यदि युवाओं को आपत्ति है तो इस आपत्ति की तह तक जाना भी सरकार का दायित्व बनता है। युवाओं का यह मुद्दा सीधा देश की बेरोजगारी से जुड़ता है। आज युवा वर्तमान से ही परेशान नहीं है, उसे अपने भविष्य की भी चिंता है। सवाल एक शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं, युवा-शक्ति के समूचे भविष्य का है। हमारी सरकार को, और हमारे मीडिया को, इसकी चिंता कब होगी?

आंतरिक संरचना की मजबूती से सुधरेगी आर्थिकी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिका से सैन्य टकराव के बाद ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट के बंद किए जाने से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं और बाजार जोखिमें भी बढ़ गई हैं। इससे एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व निर्धारित 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा।

वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं-जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों को भी ढाल बनाना होगा।

अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। 1 जून, 2026 से भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता पूरी तरह लागू हो चुका है। इससे ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल रहा है।

ब्रिटेन के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते का क्रियान्वयन इसी माह से शुरू हो गया है। यह भारतीय कपड़ा, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए बड़ा संवर्धक साबित होगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। अमेरिका के साथ भी वार्ता अंतिम दौर में है। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ समझौतों के लाभ जमीन पर दिखने लगे हैं। इसके अलावा कनाडा, इस्राइल, रूस और पेरू जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भी व्यापार वार्ताओं में तेजी लाई गई है। निश्चित रूप से बाहरी झटकों से निपटने के लिए भारत ने अपनी आंतरिक संरचना को पहले से मजबूत किया है। जमीनी स्तर पर चार नई श्रम संहिताओं के तहत लागू हुए नए सरल श्रम कानून विनिर्माण क्षेत्र में 'व्यापार सुगमता' को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इनसे विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है व वैश्विक कंपनियों के लिए भारत में काम करना आसान हुआ है। यदि सरकार इस वर्ष के बजट में विनिवेश के लिए निर्धारित 80 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य को समय पर प्राप्त कर लेती है, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों को और अधिक उदार बनाती है तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है, तो भारत की आर्थिक गतिशीलता को बचाया जा सकेगा।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)

अफवाहों के दौर में बंद होने का राज

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर यह हंगामा बरपा रहा जी कि टिर्रियां बंद हो रही हैं। टिर्री यानी बैटरी रिक्शा। लेकिन टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थी, जैसे अचानक कुछ बुजुर्गों की पेंशन बंद हो जाती है कि फर्जी है, जैसे अचानक कुछ गरीबों का राशन बंद हो जाता है कि राशनकार्ड फर्जी है, जैसे अचानक महिला सम्मान निधि बंद हो जाती है कि सरकार पहले समीक्षा करेगी। टिर्रियां ऐसे भी बंद नहीं हुई थीं कि जैसे इधर अचानक गांव का कोई सरकारी स्कूल बंद हो जाता है कि समुचित संख्या में विद्यार्थी ही पढ़ने नहीं आ रहे और फिर जो पढ़ने जा रहे थे, वे भी पढ़ाई छोड़कर घर बैठ जाते हैं, जैसे अचानक कोई फैक्टरी बंद हो जाती है और मजदूर बेरोजगार हो जाते हैं। सचमुच टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थीं। वे क्यों बंद हुई थीं, कोई नहीं जानता। शायद अफवाहों के चलते। किसी अफवाह के साथ खौफ मिल जाए तो पूरे के पूरे शहर बंद हो जाते हैं, फिर टिर्री क्या है जनाब! तो अचानक यह अफवाह खौफ की तरह घूमने लगी कि कोई मोबाइल फोन से टिर्रियों को बंद कर रहा है। किसी ने कहा कि कोई चाइनीज एप है, जिससे टिर्रियों को बंद किया जा रहा है। वैसे भी यह खौफ के दिन हैं। मंदिरों के चढ़ावे तक पर डाके पड़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी चीनी एप की अफवाह इस तरह फैल जाए तो खौफ कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे लगने लगता है जैसे गलवान घाटी में चीनी सैनिक घुस आए हों। तो जी टिर्रियों के बंद होने का हंगामा ऐसा था कि धड़ाधड़ मीम बनने लगे। रीलें बनने लगीं। आखिरकार सरकार को कुछ चीनी एप बंद करने पड़े। लेकिन जनाब इतना हंगामा तो इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियों के बंद होने पर भी नहीं हुआ, जितना टिर्रियों के बंद होने पर हुआ। इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियां तो टिर्रियों के बंद होने से पहले से ही बंद हो रही बताते हैं। कोई कहता है कि गाड़ियां माइलेज कम देने लगी हैं, कोई कहता है गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं। जैसे टिर्रियों के बंद होने का आरोप चीन पर जा लगा, वैसे ही पेट्रोल की गाड़ियों के खराब होने का आरोप इथेनॉल से शुरू होकर सरकार तक जा पहुंचा। सरकार चीनी एप तो बंद कर सकती है, पर इथेनॉल कैसे बंद करे। अरे नहीं, गडकरीजी का क्या दोष! खैर जी, टिर्रियों के बंद होने पर हंगामा हुआ, गाड़ियों के खराब होने पर भी हंगामा हुआ। टिर्रियोंवाला हंगामा अल्पजीवी साबित हुआ, लेकिन ऐसा लगता है कि इथेनॉल से गाड़ियों के खराब होने वाला हंगामा काफी दीर्घजीवी होने जा रहा है।

- सहीराम

बदलाव के दौर में नई शुरुआत की जरूरत

गुरबचन जगत

हर सुबह मैं हमारे राष्ट्रीय अख़बारों की मुख्य खबरों के शीर्षक पंक्तियां देखता, मोबाइल फ़ोन पर खबरें स्क्रॉल करता हूं, यहां तक कि टीवी पर भी नज़र डालता हूं... यह सब किसी अच्छी ख़बर की तलाश में, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं होता। एआई के दौर की शुरुआत के साथ दुनिया तेज़ी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका, चीन, ताइवान, कोरिया इत्यादि देशों की कंपनियां, संस्थान और लोग नई और रोमांचक तकनीकें, जैसे कि क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, क्लीन एनर्जी और एआई की सोचने-समझने और चेतना विकसित करने की क्षमता करने के बारे में बात कर रहे हैं। मस्क और उनकी कंपनी मंगल ग्रह तक पहुंचने, अंतरिक्ष यात्रा और अंतरिक्ष कक्षा में डेटा सेंटर स्थापित करने की बात कर रहे हैं...

जब मैं यह लेख लिख रहा हूं, तब भी इंसानी क्षमता और कल्पना को नई उड़ान मिल रही है। लेकिन, यहां अपने देश में हम क्या देखते हैं, राष्ट्रीय विचार किस बारे में हैं? राजनीतिक और धार्मिक झगड़ों की खबरें, राजनीति में दखलअंदाजी करते विभिन्न धार्मिक संस्थाओं द्वारा जारी फतवों की खबरें। अनेक धार्मिक स्थलों पर हुई चंदा या चढ़ावे की चोरी की जांच की खबरें। यह महत्वपूर्ण पूजा-स्थलों को लेकर हैं। फिर स्थानीय धर्मगुरुओं द्वारा चलाए जा रहे हज़ारों 'डेरे' हैं, और यहां भी मामला भारी-भरकम दान-चढ़ावे का है। धीरे-धीरे राजनीति और धर्म के बीच की रेखा मिटती गई और आज वे गलबहियां डाले चल रहे हैं। इस अफरातफरी में अगर कोई बंदा तर्क, कोई तथ्य, कोई दिशा तलाशना चाहे... कुछ ऐसा जो राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाला हो। कोई स्पष्ट राजनीतिक या आर्थिक विचारों को ढूंढ़ता है- चाहे वे दक्षिणपंथी हो, मध्यमार्गी हो, वामपंथी, समाजवादी या कम्युनिस्ट हो; लेकिन सब बेकार, हर चीज़ पर बस धर्म के अलग-अलग रंग छाए हुए हैं। अख़बार पढ़ने की सुबह की दिनचर्या के वक्त टी.एस. एलियट की मशहूर कविता 'वेस्टलैंड' की यह पंक्तियां बेसाख्ता याद आ जाती हैं-'यहां पानी नहीं, बस चट्टान है; चट्टान है, पानी नदारद और रेतीली सड़क...।' आम आदमी कहां है, जिसके नाम पर यह सब किया जाता है? वह तो 'बलि का बकरा' है, लेकिन 'बलि का बकरा' असल में क्या चाहता है? क्या वह इन अंधेरी गलियों में चलना ही चाहता है- नहीं, उसे रोज़गार चाहिए, उसे अपने परिवार के लिए दो वक़्त की रोटी चाहिए, उसे मौसम की मार से बचने के लिए सिर पर छत चाहिए, उसे अपने बच्चों के लिए शिक्षा स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए, वह चाहता है कि जान-माल की सुरक्षा की गारंटी। नब्बे के दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने पर छिपी हुई क्षमताओं को बाहर आने में मदद मिली और हमने इसे अपने आईटी सेक्टर के विकास में देखा। उस समय आईआईटी, आईआईएम और क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेजों ने शिक्षा का जो स्तर तैयार किया, उसी से यह विकास संभव हो पाया। सरकारी प्रोत्साहन के साथ व्यक्तिगत प्रयासों ने इसे आसान बनाया और समय के साथ भारत आईटी सेवा प्रदाता क्षेत्र में एक शक्तिपुंज बन गया। इस पारिस्थितिकी ने बड़ी संख्या में हुनर तैयार किया, जिससे न केवल टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल जैसी कई आईटी कंपनियां विकसित हुईं, बल्कि

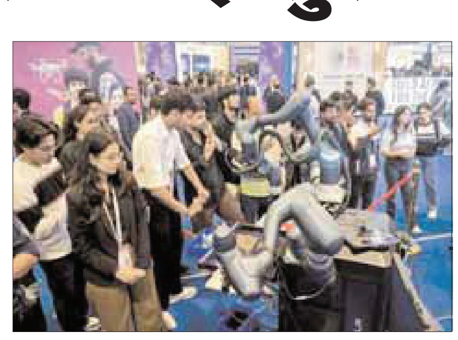

भारत ने अपने हुनर को दुनियाभर में निर्यात भी किया। आज भी तकनीक की दुनिया में कई बड़े नाम भारतीय मूल के लोगों के हैं, जिन्होंने अपने व्यावयासिक जीवन की शुरुआत हमारे आईआईटी और क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेजों से की थी। सत्य नडेला, सुंदर पिचाई, शांतनु नारायण आदि इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। आज जब इस क्षेत्र पर खतरा मंडरा रहा है, तो इसकी जगह कौन लेगा? एआई के कारण हो रहे बदलावों से हजारों नौकरियां जा रही हैं या उन पर खतरा मंडरा रहा है। 90 के दशक में हम मुश्किल हालात से उबरकर आगे बढ़े थे, लेकिन क्या खुद को फिर से खोजने के लिए हमें दोबारा उसी मुश्किल दौर में पहुंचना होगा...? हमारे पास कोई ऐसा तरीका या 'संहिता' है जिसे हम बांच सकें, वह जिसने पिछली बार सफलता दिलाई थी। इसमें नैसकॉम, एसटीपीआई, एसईज़ेड जैसी संस्थाओं का गठन और उनसे जुड़ी टैक्स छूट और बुनियादी ढांचा, और निश्चित रूप से उस दौर के सभी उदारीकरण सुधार शामिल हैं। आईटी उद्योग को बढ़ावा दिया गया; इसे कई तरह की छूटें दी गईं और सरकार ने ज़्यादातर मामलों में मददगार की भूमिका निभाई और जटिल 'लाल फीताशाही' को राह से दूर रखा। आईटी ने देश के लोगों का ध्यान खींचा और आम नागरिक ने इसे गरीबी और कम आय वाले दायरे से बाहर निकलने का एक ज़रिया माना। संक्षेप में कहें तो, इसने हमारे पढ़े-लिखे और कानून का पालन करने वाले नागरिकों को अवसर और सम्मान दिया, और देश को एक बड़े वैश्विक सेवा प्रदाता के रूप में आगे बढ़ाया। आज हमारी अर्थव्यवस्था 90 के दशक की तुलना में कई गुणा बड़ी है, लेकिन इस बड़े पैमाने और उन्नति के साथ एक उलटी स्थिति भी जुड़ी है- मंदी कहीं ज़्यादा नुकसानदेह हो सकती है। जिन लोगों ने जीवनस्तर का एक खास पायदान हासिल कर लिया है और जिन्होंने आईटी के सपने में निवेश किया है, आज उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है। न केवल सीधे तौर पर नौकरी करने वाले लोग, बल्कि देश में आईटी हब के इर्द-गिर्द बनी संपूर्ण अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। तो, इसका विकल्प क्या है? हमें फिर से अपनी एक खासियत ढूंढ़नी होगी और सरकार को एक बार फिर नियामक के बजाय मददगार की भूमिका निभानी होगी। हो सकता है कि यह खास जगह एआई-सहायक सेवाएं और डेटा सेंटर के रूप में हो, या फिर ईवी और स्वच्छ ऊर्जा की तरफ़ हो रहे बड़े बदलाव में हो। जैसे-जैसे हमारी ऊर्जा की ज़रूरतें बढ़ रही हैं और मौसम में बदलाव की सच्चाई स्पष्ट होती जा रही है, जीवाश्म ईंधन से दूर हटने का चलन जारी रहेगा। कहा जाता है कि भारतीय कॉर्पोरेट जगत के पास 200 बिलियन डॉलर से ज़्यादा का रिकॉर्ड नकद भंडार है और इसमें से ज़्यादातर पिछले चार सालों में जमा हुआ है... जब बहुत कुछ किए जाने की गुंजाइश है, तब वे भारत में निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं? निश्चित रूप से फार्मा जैसे सेक्टर, जिसमें हमारा अधिकांश एपीआई (दवा बनाने का मूल घटक) अभी भी चीन से आयात किया जाता है, न केवल किसी दूसरे देश की मर्ज़ी पर निर्भर हैं, बल्कि उन्हें बड़े निवेश के ज़रिए इस बुनियादी खामी को दूर करने की ज़रूरत है। निश्चित रूप से, ऊर्जा के सभी प्रारूपों के मामले में अभी भी एक बहुत बड़ा लक्ष्य हासिल करना बाकी है। शिक्षा के मामले में, माता-पिता विदेश में शिक्षा दिलवाने पर बहुत पैसा खर्च करते हैं, हम यहां अच्छे विकल्प क्यों नहीं दे सकते? स्वास्थ्य के मामले में, हमारी करोड़ों की आबादी को कहीं ज़्यादा बड़े आधारभूत ढांचे की ज़रूरत है। मैंने अभी कुछ प्रमुख क्षेत्रों का ज़िक्र किया है जो मेरे दिमाग में आए, मुझे यकीन है कि विशेषज्ञ इस बारे में और भी बहुत कुछ बता सकते हैं। अगर हमारे निजी क्षेत्र को सही माहौल मिले, तो वह वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने और दुनिया का अग्रणी बनने में पूरी तरह काबिल है; हमें बस उन्हें सक्षम बनाने और सहायता करने की ज़रूरत है। हमें 'मैनहट्टन प्रोजेक्ट' जैसा एक प्रोजेक्ट शुरू करने की ज़रूरत है, जिसमें हम विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, वित्तीय मदद और प्रशासनिक क्षेत्रों के अपने सबसे बेहतरीन लोगों को एक साथ एक ही जगह पर ला सकें। इसके नतीजे तेज़ी से मिलेंगे और यह एक खेल बदलने वाला साबित होगा।

(लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं)

श्रद्धालुओं ने रथ यात्रा में शामिल होकर लगाए जयकारे

भगवान जगन्नाथ की निकली रथयात्रा, भक्तों ने हाथों से खींचा रथ

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

उड़ीसा के जगन्नाथपुरी की परंपरा की तर्ज पर गुरुवार को ग्राम कुलैथ में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान के रथ को अपने हाथों से खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे गांव में जय जगन्नाथ के जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व विधि-विधान के साथ भगवान को 11 मिट्टी के घट अर्पित किए गए। कुछ समय बाद परंपरा के अनुसार घट फूट गए, जिसके बाद उनमें रखे चावल के प्रसाद को श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। दोपहर 3 बजे सुंदर और आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथ में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलदाऊ (बलभद्र) को विराजमान कर रथयात्रा निकाली गई। यात्रा गांव की प्रमुख गलियों से होते हुए गांव के बाहर स्थित जनकपुरी मंदिर पहुंची। मान्यता के अनुसार यहां भगवान ने अपनी मौसी के घर रात्रि विश्राम किया। रात्रि में गांव की विभिन्न भजन मंडलियों ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। श्रद्धालु देर रात तक भगवान के दर्शन और भजन संध्या का आनंद लेते रहे।

मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाती है भगवान कथा

लक्ष्मीगंज स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए पंडित घनश्याम शास्त्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को भक्ति, सेवा, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भगवान का स्मरण और सत्संग जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है तथा मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाता है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुतियों और भगवान की मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

वापस लौटी यात्रा

पुजारी भानू श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार, 17 जुलाई को भगवान की रथयात्रा पुनः अपने मूल मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। वापसी के बाद विशेष पूजा-अर्चना एवं घट चढ़ाने की परंपरा निभाई जाएगी। इसके उपरांत चावल का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

भगवान झूलेलाल प्रतिमा स्थापना के साथ चालीहा महोत्सव शुरू

सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल के 40 दिवसीय चालीहा (उपासना) महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को भगवान झूलेलाल की प्रतिमा स्थापना के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। यह महोत्सव 25 अगस्त तक चलेगा। इस अवसर पर झूलेलाल मंदिर माधोगंज एवं दानाओली में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महोत्सव के प्रथम दिन प्रातः झूलेलाल मंदिर माधौगंज में भगवान झूलेलाल के श्रीविग्रह का पंचामृत से अभिषेक एवं जलाभिषेक किया गया। इसके बाद हवन-पूजन, झंडावंदन, महाआरती और भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। झूलेलाल मंदिर दानाओली के विजय लुधानी एवं अध्यक्ष किशोर वाधवानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल की प्रतिमा को जीवाजीगंज से भव्य शोभायात्रा के रूप में दानाओली लाया गया। शोभायात्रा महाराज बाड़ा, माधौगंज चौराहा, दर्जी ओली, लाला बाजार, झूलेलाल मंदिर माधौगंज, गोरखी स्काउट, गांधी मार्केट सहित विभिन्न मार्गों से होकर दानाओली मंदिर पहुंची, जहां प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई। इस अवसर पर दोनों मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

अमरनाथ की यात्रा कर वापस लौटा 'बम बम भोले सेवा' के सदस्यों का दल

'बम-बम भोले सेवा' के श्रद्धालुओं ने बाबा अमरनाथ, माता खीर भवानी, माता वैष्णो देवी और भगवान शिव की पावन शिव खोड़ी गुफा के दर्शन कर अपनी त्रिकोणीय धार्मिक यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने देश में सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना करते हुए विभिन्न तीर्थस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की। यात्रा की शुरुआत पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शनों से हुई। इसके बाद श्रद्धालु श्रीनगर के समीप गांदरबल स्थित प्रसिद्ध माता खीर भवानी मंदिर पहुंचे। यहां मां राग्न्या देवी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा खीर का प्रसाद अर्पित किया गया। इसके बाद जत्था कटरा पहुंचा, जहां त्रिकुटा पर्वत पर विराजमान माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाई। पूरे मार्ग में 'जय माता दी' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस धार्मिक यात्रा में डॉ. संजय पाण्डेय, प्रवीण दौदेरिया, आनंद पचौरी, सुभाष शर्मा, गिर्राज शर्मा, योगेश बंसल, राजीव कुमार सिंह आदि श्रद्धालु शामिल रहे।

प्रभात फेरी में राम भक्तों का हुआ स्वागत

प्रतिदिन नियमित रूप से निकलने वाली संगीतमय श्रीराम प्रभात फेरी का गुरुवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान राम भक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। पुष्पहार पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया तथा फल एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। पूरे आयोजन में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रभात फेरी प्रमुख उदयभान रजक ने राम भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि भारत का भविष्य सुरक्षित रखना है और सनातन संस्कृति को सशक्त बनाना है, तो ऐसी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखना होगा। इस अवसर पर सतीश शाक्यवार एवं उनके परिवार ने प्रभात फेरी का भव्य स्वागत कर श्रद्धालुओं का सम्मान किया। प्रभात फेरी में शिवराम साहू, बेनी प्रसाद चौरसिया, अजय राठौर, दशरथ पाल, कमल बाथम, छिंगाराम चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

अग्रबंधु मां मुम्बादेवी को अर्पित करेंगे 5100 फीट लंबी चुनरी

अग्रवाल परिचय सम्मेलन के तत्वावधान में प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली मां लक्ष्मी की 5100 फीट लंबी चुनरी इस वर्ष महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां मुम्बादेवी मंदिर में अर्पित की जाएगी। 1 अगस्त को अग्रबंधु विधि-विधान के साथ चुनरी मां के चरणों में समर्पित कर परिवारों की सुख-समृद्धि, व्यापार में उन्नति और देश की खुशहाली की कामना करेंगे। मुंबई यात्रा से पूर्व शिंदे की छावनी स्थित सम्मेलन कार्यालय में चुनरी का विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

माता की चौकी आज

शिव शक्ति भजन मंडल द्वारा 17 जुलाई शुक्रवार को मंडल के संस्थापक गुरु स्व. जगत राम चचडा गोजरे वाले के 29वें पुण्य स्मरण दिवस पर हरिहर मंदिर आदर्श कॉलोनी शिंदे की छांवनी पर रात्रि 10बजे से माता की चौकी का आयोजन किया गया।

उपयंत्रियों की पदोन्नति सूची पर उठे सवाल

महापौर को ज्ञापन देकर पुनः परीक्षण की मांग

आपत्तियों के निराकरण के बिना आदेश जारी करने पर जताई नाराजगी

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

नगर निगम में उपयंत्री (सिविल) की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पदोन्नति सूची में शामिल नहीं किए गए कुछ उपयंत्रियों ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए महापौर डॉ. शोभा सिकरवार को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने शासन के नियमों और वरिष्ठता सूची के आधार पर पूरी प्रक्रिया का दोबारा परीक्षण कराने की मांग की है।

उपयंत्री बी.ए. त्यागी, वीरेंद्र शाक्य, यशवंत मैकले, अमित गुप्ता और मनीष यादव ने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि वर्ष 2009 में नियमित भर्ती से नियुक्त उपयंत्रियों की पदोन्नति प्रक्रिया में वरिष्ठता सूची का सही पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि पात्र कर्मचारियों की वरिष्ठता को नजरअंदाज कर कुछ अधिकारियों को लाभ दिया गया है। ज्ञापन में उपयंत्री वीरेंद्र शाक्य ने बताया कि वे अनुसूचित जाति वर्ग की वरिष्ठता सूची में प्रथम स्थान पर हैं, लेकिन उनकी आपत्ति का निराकरण किए बिना ही पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। उन्होंने बताया कि उन्होंने 8 जुलाई 2026 को निगमायुक्त को लिखित आपत्ति प्रस्तुत की थी, लेकिन सुनवाई किए बिना ही 13 जुलाई को पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पदोन्नति प्रक्रिया में गठित एक्स-वाई समिति ने भी आपत्तियों पर गंभीरता से विचार नहीं किया और जल्दबाजी में सूची को स्वीकृति दे दी।

वरिष्ठता और आरक्षण नियमों के पालन की मांग

उपयंत्रियों का कहना है कि पदोन्नति में शासन द्वारा निर्धारित वरिष्ठता और आरक्षण व्यवस्था का पालन किया जाना जरूरी है। उन्होंने मांग की है कि पदोन्नति सूची का निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए और जिन कर्मचारियों की आपत्तियां लंबित हैं, उनका पहले निराकरण किया जाए।

सविता स्टेनोग्राफर ग्रेड-2 के पद पर हुए पदोन्नत

नगर पालिक निगम ने मध्य प्रदेश नगर पालिक अधिनियम एवं म.प्र. लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 के तहत वर्तमान में स्टेनोग्राफर ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ सचिन सविता को स्टेनोग्राफर ग्रेड-2 के पद पर पदोन्नत किया गया है। जारी आदेश के अनुसार सचिन रामकुमार सविता को वेतनमान 9300-34800 (ग्रेड पे 3600) के समकक्ष सातवें वेतनमान के लेवल-9 (36200-114800) में पदोन्नत कर वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क से हटे 25 अवैध यूनिपोल, 139 होर्डिंग की सूची से शुरू की कार्रवाई

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

शहर की सड़कों, चौराहों और फुटपाथों पर कब्जा जमाकर लगाए गए अनधिकृत होर्डिंग और यूनिपोल के खिलाफ नगर निगम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर निगम की टीम ने शहरभर में अभियान चलाकर 25 अवैध यूनिपोल हटा दिए। इसके साथ ही फुटपाथ पर लगाए गए 16 यूनिपोल और निजी भवनों पर लगे 3 यूनिपोल को भी हटाने की कार्रवाई की गई।

निगम की कार्रवाई से अवैध विज्ञापन एजेंसियों और बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाने वालों में हड़कंप मच गया। निगम ने साफ कर दिया है कि शहर में बिना अनुमति लगाए गए किसी भी होर्डिंग, यूनिपोल या फ्लेक्स को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। निगम के नोडल अधिकारी राजस्व अनूप लिटोरिया ने बताया कि राजस्व कर संग्राहकों द्वारा शहर में लगे 139 अवैध/अनधिकृत होर्डिंग और फ्लेक्स की सूची उपलब्ध कराई गई थी। इस सूची के आधार पर निगम ने अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग और यूनिपोल हटाने की कार्रवाई शुरू की है। गुरुवार को कई स्थानों पर लगे यूनिपोल और होर्डिंग हटाए गए। वहीं शेष चिन्हित अवैध विज्ञापन संरचनाओं पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। रेलवे की जमीन पर लगे अनधिकृत होर्डिंग और यूनिपोल को हटाने के लिए निगम ने रेलवे अधिकारियों को पत्र लिखा है। निगम ने केवल होर्डिंग ही नहीं, बल्कि ट्रैफिक सिग्नलों की दृश्यता को लेकर भी अभियान चलाया। शहर के 33 ट्रैफिक सिग्नलों की जांच की गई। इनमें से 13 सिग्नल सही पाए गए, जबकि 15 ट्रैफिक सिग्नल पेड़ों की वजह से दिखाई नहीं दे रहे थे। निगम की टीम ने अन्य चिन्हित 22 अवैध होर्डिंग में से 16 को गुरुवार को हटाने की कार्रवाई पूरी कर ली। शेष होर्डिंग को भी जल्द हटाया जाएगा।

इन स्थानों से हटाए गए अवैध यूनिपोल

टीम ने शहर के कई प्रमुख स्थानों पर कार्रवाई की। इनमें 7 नंबर चौराहा, सेंट पॉल स्कूल के सामने मुरार, गोविंदपुरी जोधपुर मिष्ठान भंडार, मुरार अग्रसेन चौराहा, गांधी रोड होटल तानसेन, ठाटीपुर जवर स्टेट, अलकापुरी तिराहा, मेट्रो टावर सिटी सेंटर, अशोक स्तंभ तिराहा, नीलकंठ चौराहा रॉयल सुंदरम गार्डन के पास, डोंगरपुर ग्वालियर ग्लोरी के पास, मॉडल टाउन जिला पंचायत कार्यालय, सिंधिया चौराहा, महाराजा कॉम्प्लेक्स, पिंटो पार्क, बड़ागांव रोड खुरैरी, मुरार लिंक रोड हुरावली, रामदास घाटी, बहोड़ापुर चौराहा, रेसकोर्स रोड ग्रांट पैलेस गार्डन के बाहर, फूलबाग मानस भवन, लक्ष्मीबाई कॉलोनी गेट, आईपीएस कॉलेज के सामने, चिरवाई नाका एसक्यू, चेतकपुरी एसक्यू और एजी ऑफिस रोड पीएनबी बैंक सहित अन्य स्थान शामिल हैं।

जिम्मेदार पत्रकार बनने किया प्रेरित दीक्षारंभ में मिला अनुशासन का मंत्र

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में गुरुवार को नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, अनुशासन और पत्रकारिता के मूल्यों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एन. महापात्रा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदारी, संवेदनशीलता और निरंतर अध्ययन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.एन. गौतम ने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के युवा उत्सव एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रो. विवेक बापट ने विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। वहीं प्रो.एस.के.सिंह ने रैगिंग को गंभीर अपराध बताते हुए विद्यार्थियों से इससे पूरी तरह दूर रहने तथा विश्वविद्यालय में सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने की अपील की।

अनुसूचित जाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है भाजपाः आर्य

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला सम्मेलन का आयोजन गुरुवार को बाल भवन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार एवं भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया रहे। श्री आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान, शिक्षा, रोजगार, आवास, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क अभियान चलाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार ने कहा कि मोर्चा का उद्देश्य समाज के प्रत्येक परिवार तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना तथा उन्हें भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ना है। जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे संगठन की रीति-नीति एवं सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाकर समाज के बीच विश्वास और संवाद को मजबूत करें। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में मोर्चा के अध्यक्ष ओमप्रकाश धनोल,पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, अभय चौधरी, प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ,कमलापति आर्य, घनश्याम पिरोनिया, हरीश मेवाफरोश, रामस्वरूप शुक्रवारी ,गणपत लाल डाबी, राजू पलैया, धर्मेंद्र तोमर, जवाहर प्रजापति सहित मोर्चा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। संचालन राजू पलैया एवं आभार कृष्णा महोबिया ने व्यक्त किया ।

गीता जयंती में महिला यात्री की मौत, स्टेशन पर उतारा शव

ग्वालियर। गीता जयंती एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में यात्रा कर रही महिला यात्री की अचानक तबियत बिगड़ने से मौत हो गई। आरपीएफ के अनुसार बुधवार-गुरुवार की रात 12:40 बजे झांसी कंट्रोल से सूचना मिली कि ट्रेन संख्या 11842 के एस-5 कोच में एक महिला अचेत अवस्था में है। उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ठाकुर टीम के साथ पहुंचे और महिला को ग्वालियर स्टेशन पर उतारा गया। रेलवे चिकित्सक डॉ. रंजना सिंह ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान केशकली चौधरी (31), पत्नी आनंद कुमार चौधरी, निवासी ग्राम कडोली, जिला सतना के रूप में हुई। पति ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार थीं और इलाज के लिए मथुरा गए थे। जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिलावटखोरों पर कार्रवाई को लेकर सौंपा ज्ञापन

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ग्वालियर महानगर इकाई ने गुरुवार को मिलावटखारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद एवं अतिरिक्त कलेक्टर एवं खाद्य विभाग प्रभारी अनिल बनवारिया को ज्ञापन सौंपा। ग्राहक पंचायत के जिला सचिव अभिभाषक विवेक शर्मा ने बताया कि ग्वालियर जिले में मिलावट चरम सीमा पर है। बाजार में अमानक खाद्य तेल एवं अन्य खाद्य पदार्थों का विक्रय धड़ल्ले से हो रहा है जिस पर अकुंश लगना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिले में दूध, मावा, पनीर, घी, मसाले, तेल, पनीर, मिठाई, मसाले इत्यादि खाद्य पदार्थों की नियमित सघन जांच हो, त्यौहारों एवं शादी समारोह के सीजन में सघन जांच कर मिलावटखोरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। जिले में आमजन के लिए खाद्य पदार्थों से संबंधित शिकायत हेतु हेल्प लाइन नंबर जारी किया जाए। इस अवसर पर खाद्य विभाग प्रभारी श्री बनवारिया ने आश्वासन दिया कि शहर में 17 जुलाई से शहर में मिलावट के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रांत उपाध्यक्ष देवी सिंह राठौड़, प्रांत सह सचिव देवेंद्र भार्गव, कुलदीप शर्मा, गौरव यादव, अभिलाख सिंह तोमर ,संजीव श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

मरीजों को मिलेगी सुविधा

सिविल अस्पताल को मिली बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर, जल्द शुरू होगी पैथोलॉजी

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

बिरला नगर सिविल अस्पताल में पैथोलॉजी शुरू करने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। अस्पताल को बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर मशीन उपलब्ध करा दी गई है, जबकि अन्य जरूरी उपकरण भी जल्द पहुंचेंगे। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि जुलाई के अंत तक पैथोलॉजी शुरू हो जाएगी। इसके बाद मरीजों को जांचें अस्पताल में ही उपलब्ध होंगी और रिपोर्ट के लिए चार-पांच दिन तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल बिरला नगर प्रसूति गृह का विस्तार कर उसे सिविल अस्पताल का दर्जा तो दे दिया गया, लेकिन पैथोलॉजी सुविधा उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। वर्तमान में अस्पताल में केवल सैंपल कलेक्शन सेंटर संचालित हो रहा है। यहां मरीजों के रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए लक्ष्मीगंज प्रसूति गृह भेजे जाते हैं। इस प्रक्रिया के कारण मरीजों को जांच रिपोर्ट मिलने में चार से पांच दिन का समय लग जाता है, जिससे उपचार भी प्रभावित होता है।

मरीजों की इसी समस्या को देखते हुए शासन ने अस्पताल में पैथोलॉजी स्थापित करने की मंजूरी दी थी। अब इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। अस्पताल को बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर मशीन उपलब्ध करा दी गई है, जबकि अन्य आवश्यक मशीनें भी जल्द पहुंचने वाली हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सभी उपकरण स्थापित होने के बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में पैथोलॉजी का शुभारंभ कर दिया जाएगा।

एक ही स्थान पर होंगी 108 प्रकार की जांचें

पैथोलॉजी शुरू होने के बाद मरीजों को अस्पताल में ही 108 प्रकार की पैथोलॉजी जांचों की सुविधा मिलेगी। इससे रक्त, शुगर, किडनी, लीवर और अन्य आवश्यक जांचें समय पर हो सकेंगी। जांच रिपोर्ट जल्द मिलने से मरीजों का उपचार भी तेजी से शुरू हो सकेगा।

निजी एजेंसी करेगी संचालन

अस्पताल में स्थापित होने वाली पैथोलॉजी का संचालन निजी एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा। एजेंसी जांच सेवाओं का संचालन करेगी, जबकि अस्पताल प्रशासन गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा। इससे मरीजों को आधुनिक जांच सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेगी और बाहरी अस्पतालों या अन्य केंद्रों पर निर्भरता भी कम होगी।

शताब्दीपुरम का जीडीए उपाध्यक्ष गुप्ता ने किया निरीक्षण

÷Üø संवाददाता ■ ग्वालियर

शताब्दीपुरम में रहने वालों की समस्याएं जानने और सुविधाओं को लेकर ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने कॉमर्शियल ब्लॉक, ईडब्ल्यूएस प्लॉट, ईडब्ल्यूएस मल्टी स्टोरी एवं पीएसपी स्थलों का निरीक्षण कर आम जनमानस के लिए शीघ्र प्लान तैयार कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

शताब्दीपुरम फेस दो में कॉमर्शियल ब्लॉक का निरीक्षण किया जो कि लगभग 6400 वर्ग मीटर में है, उन्होंने कहा कि इसकी बाउंड्रीवॉल बनाकर आर्किटेक्ट से नक्शा तैयार कर शीघ्र टेंडर लगाने की कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनमानस को इसका लाभ मिल सके। इसके साथ ही फेस टू शताब्दीपुरम में ईडब्ल्यूएस के चार ब्लॉक में मल्टी स्टोरीज बिल्डिंग का निर्माण हेतु शीघ्र आर्किटेक्ट से प्लान तैयार कर इसके टेंडर किए जाएं, शताब्दीपुरम फेस तीन में 364 ईडब्ल्यूएस प्लॉट की प्लानिंग कर शीघ्र आवंटन की कार्रवाई की जाए। शताब्दीपुरम डी ब्लॉक 60 फुट के सामने पीएसपी एरिया जो कि लगभग 8800 वर्ग मीटर है जो की बैंक, फायर ब्रिगेड, पोस्ट ऑफिस तथा अन्य पब्लिक सर्विस गतिविधियों के लिए जगह है उसे शीघ्र संबधित को आवंटन हेतु कार्रवाई की जाए ताकि शताब्दीपुरम लोगों को बैंक, पोस्ट ऑफिस फायर ब्रिगेड तथा अन्य पब्लिक सर्विस का लाभ मिल सके।

डिजिटल भुगतान और कैशलेस भारत

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने हमारे जीवन को पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज़ और सुविधाजनक बना दिया है। एक समय था जब लोग हर प्रकार के लेन-देन के लिए नकद (कैश) पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब मोबाइल फोन और इंटरनेट की सहायता से कुछ ही सेकंड में कहीं भी और कभी भी सुरक्षित भुगतान किया जा सकता है। भारत सरकार भी डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित कर कैशलेस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, जिससे देश में पारदर्शिता, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

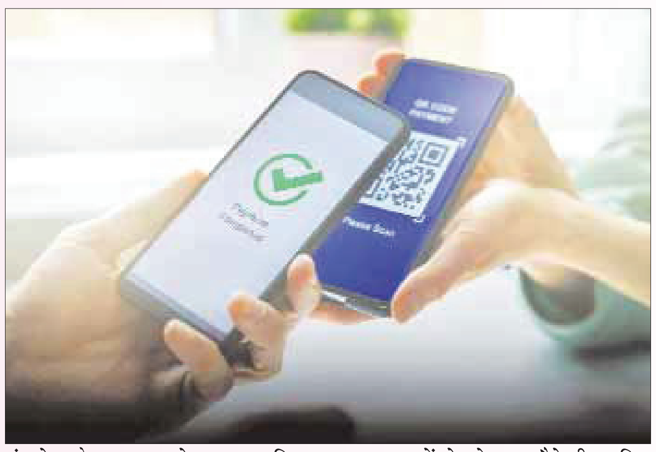

डिजिटल भुगतान का अर्थ

डिजिटल भुगतान वह प्रक्रिया है, जिसमें बिना नकद धन का उपयोग किए मोबाइल, कंप्यूटर, बैंकिंग सेवाओं या इंटरनेट के माध्यम से भुगतान किया जाता है। वर्तमान समय में यूपीआई , क्यूआर कोड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग तथा मोबाइल वॉलेट जैसी सुविधाओं ने भुगतान को अत्यंत सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इन माध्यमों से लोग घर बैठे ही सुरक्षित एवं तेज़ी से लेन-देन कर सकते हैं।

डिजिटल भुगतान के प्रमुख लाभ

- समय की बचत कुछ ही सेकंड में भुगतान पूरा हो जाता है।

- सुरक्षित लेन-देन अधिक नकद रखने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे चोरी या धन खोने का जोखिम कम होता है।

- हर जगह उपयोगी दुकानों, अस्पतालों, विद्यालयों, कार्यालयों तथा ऑनलाइन सेवाओं में आसानी से उपयोग किया जा सकता है।

- सुविधाजनक प्रक्रिया कहीं से भी और कभी भी भुगतान संभव है।

- पारदर्शिता प्रत्येक लेन-देन का रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है।

कैशलेस भारत का महत्व

कैशलेस भारत का उद्देश्य देश में अधिक से अधिक डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना है। इससे बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, भ्रष्टाचार और नकली मुद्रा जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाने में सहायता मिलती है तथा आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता आती है। डिजिटल भुगतान देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्यार्थियों के लिए डिजिटल भुगतान का महत्व

आज के समय में विद्यार्थियों के लिए भी डिजिटल भुगतान की जानकारी आवश्यक है। वे ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं, पुस्तकें खरीद सकते हैं तथा अन्य शैक्षणिक भुगतान आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, विद्यार्थियों को हमेशा अपने माता-पिता या अभिभावकों की अनुमति और मार्गदर्शन में ही डिजिटल भुगतान करना चाहिए।

डिजिटल भुगतान करते समय आवश्यक सावधानियाँ

- अपना ओटीपी, यूपीआई पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।
- केवल भरोसेमंद ऐप और आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें।
- किसी अनजान लिंक, कॉल या संदेश पर विश्वास न करें।
- भुगतान करने से पहले प्राप्तकर्ता का नाम और विवरण अवश्य जाँचें।
- किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत बैंक या संबंधित संस्था को सूचना दें।

स्नेहा जैन
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी, गोविंदगंज, जबलपुर

भारत में कैसे हुई कॉमर्स (वाणिज्य) की शुरुआत

वाणिज्य के इतिहास को बार्टर सिस्टम का पता लगाया जा सकता है, जिसने शुरुआती मार्केटप्लेस की नींव रखी और आखिर में करेंसी शुरू की। 15वीं शताब्दी से 20वीं शताब्दी के बीच, सिल्क रोड और प्रमुख व्यापार केंद्रों के विकास जैसे स्थापित तरीकों से वैश्विक व्यापार का काफी विस्तार हुआ। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी जैसे शक्तिशाली व्यापार उद्यमों का उपनिवेश और उत्थान, माल और सेवाओं के वैश्विक विनिमय को और तेज करता है, अंततः आधुनिक बैंकिंग प्रणालियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क को आकार देता है।

भारत में, वाणिज्य की शुरुआत सिंधु घाटी सभ्यता की तारीख से हुई है, जिसे सबसे पहले ट्रेडिंग सोसाइटी के रूप में जाना जाता है। कॉटन, बीड, पॉटरी और मसाले जैसे सामान का आम तौर पर आदान-प्रदान किया जाता था। समय के साथ, मौर्य, गुप्ता और मुगलों जैसे साम्राज्यों ने भूमि-आधारित और समुद्री मार्गों के माध्यम से व्यापार को आगे बढ़ाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान, उच्च कर्तव्यों और संसाधन का उपयोग करके वाणिज्य पर कड़ी नियंत्रण था। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने एक योजनाबद्ध आर्थिक मॉडल अपनाया जो धीरे-धीरे उदारीकरण और तकनीकी सुधारों के माध्यम से बदल गया, जिससे कमर्शियल विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण के नए युग की शुरुआत हुई।

कॉमर्स का प्रकार

वाणिज्य की प्रकृति यह दर्शाती है कि यह अर्थव्यवस्था के भीतर कैसे काम करता है और समाज को यह कैसे प्रदान करता है। यह आवश्यक विशेषताओं की रूपरेखा तैयार करता है जो वाणिज्य को आर्थिक प्रगति और मानव आवश्यकताओं को पूरा करने के पीछे एक प्रेरक शक्ति बनाते हैं। प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं-

1. कॉमर्स माल के एक्सचेंज और मूवमेंट को सक्षम बनाता है

वाणिज्य उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच माल और सेवाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह दूरी को कम करने में मदद करता है, जिससे प्रोडक्ट रिमोट लोकेशन तक भी पहुंच सकते हैं। डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और ट्रांसपोर्टेशन की मदद से, उत्पादक अपने प्रोडक्ट को स्थानीय, राष्ट्रीय या यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऑफर कर सकते हैं। जिससे व्यापक मार्केट तक पहुंच बन सकती है।

2. कॉमर्स उपभोक्ताओं के लिए उपयोगिता बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है

वाणिज्य के मुख्य कार्यों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि प्रोडक्ट सही जगह, समय और सही स्वामित्व पर उपलब्ध हों।

अ. समय उपयोग वस्तुओं को जब तक आवश्यक न हो तब तक स्टोर करके बनाया जाता है, उदाहरण के लिए, जब तक यह बाज़ार तक नहीं पहुंचता तब तक वेयरहाउस में कृषि उत्पादों को स्टोर करना।

ब. प्लेस यूटिलिटी को उन वस्तुओं के परिवहन द्वारा जोड़ा जाता है जहां मांग मौजूद होती है, जैसे मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से फॉर्मेसी तक दवाएं प्रदान करना।

स. जब स्वामित्व ट्रांसफर हो जाता है, तो पजेशन यूटिलिटी काम आती है, जैसे ग्राहक रिटेल आउटलेट से इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदते हैं।

3. वाणिज्य आर्थिक विकास में योगदान देता है

कॉमर्स आर्थिक विकास का एक मजबूत चालक है। यह माल और सेवाओं की मांग पैदा करके उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। यह बढ़ी हुई गतिविधि उद्योगों को समर्थन देती है और परिवहन, बैंकिंग, रिटेल और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन की ओर ले जाती है। कुल मिलाकर, वाणिज्य आय के स्तर को बढ़ाता है, बुनियादी ढांचे का समर्थन करता है और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डबल एंट्री सिस्टम, लेखांकन का सबसे भरोसेमंद तरीका

किसी भी व्यवसाय में होने वाले प्रत्येक लेन-देन का सही और व्यवस्थित रिकॉर्ड रखना आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य से डबल एंट्री सिस्टम का उपयोग किया जाता है। यह आधुनिक लेखांकन की सबसे विश्वसनीय और व्यापक रूप से अपनाई जाने वाली पद्धति है। इस प्रणाली में प्रत्येक लेन-देन का प्रभाव कम से कम दो खातों पर पड़ता है, जिससे हिसाब-किताब अधिक सटीक और पारदर्शी रहता है।

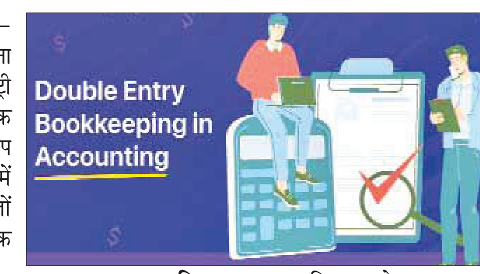

डबल एंट्री सिस्टम क्या है?

डबल एंट्री सिस्टम वह लेखांकन पद्धति है जिसमें हर वित्तीय लेन-देन को दो पक्षों डेबिट और क्रेडिट के रूप में दर्ज किया जाता है। इस प्रणाली का मूल सिद्धांत है कि हर डेबिट के बराबर एक क्रेडिट अवश्य होता है। इसका सरल सूत्र है कुल डेबिट बराबर कुल क्रेडिट।

यह प्रणाली कैसे काम करती है?

जब भी कोई लेन-देन होता है, तो उसका प्रभाव कम से कम दो खातों पर पड़ता है। एक खाते में राशि डेबिट होती है और दूसरे खाते में उतनी ही राशि क्रेडिट होती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी दुकान ने 10,000 रूपए नकद देकर फ नींचर खरीदा, तो फ नींचर खाता 10,000 रूपए डेबिट, नकद खाता 10,000 क्रेडिट। यह दर्शाता है कि व्यवसाय में फर्नीचर बढ़ा, जबकि नकद राशि उतनी ही कम हो गई।

डेबिट और क्रेडिट को कैसे समझें?

लेखांकन में सामान्यतः तीन प्रकार के खाते होते हैं

1 **व्यक्तिगत खाता** - नियम, प्राप्त करने वाले को डेबिट, देने वाले को क्रेडिट।

2 **वास्तविक खाता** - नियम, जो व्यवसाय में आए उसे डेबिट, जो व्यवसाय से जाए उसे क्रेडिट।

3 **नाममात्र खाता** - नियम, सभी खर्च और हानियाँ डेबिट, सभी आय और लाभ क्रेडिट।

डबल एंट्री सिस्टम के प्रमुख लाभ

- प्रत्येक लेन-देन का पूरा रिकॉर्ड मिलता है।
- गलतियों का पता लगाना आसान होता है।
- ट्रायल बैलेंस तैयार करने में सुविधा होती है।
- लाभ-हानि खाता और बैलेंस शीट सही ढंग से बनती है।
- व्यवसाय की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता चलता है।
- बैंक, निवेशक और कर विभाग के लिए विश्वसनीय लेखा-रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है।

डबल एंट्री सिस्टम क्यों महत्वपूर्ण है?

आज लगभग सभी छोटे-बड़े व्यवसाय, कंपनियाँ, बैंक और सरकारी संस्थान इसी प्रणाली का उपयोग करते हैं। यह न केवल लेखांकन को व्यवस्थित बनाती है, बल्कि वित्तीय निर्णय लेने, ऑडिट कराने और कानूनी अनुपालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डिजिटल व्यापार के लिए ई-कॉमर्स का उदय

ई-कॉमर्स के बढ़ने से बिजनेस के संचालन और उपभोक्ताओं की खरीददारी के तरीके में क्रांति हुई है। इंटरनेट के आगमन के साथ, वाणिज्य भौतिक सीमाओं पर पहुंच गया है, जिससे ट्रांजैक्शन आसानी से ऑनलाइन हो सकते हैं। ई-कॉमर्स में इस तेजी से वृद्धि ने विश्व भर में सरकारों को डिजिटल व्यापार को विनियमित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए वाणिज्य विभाग जैसे समर्पित विभागों को अनुकूलित करने और स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है। ये विभाग साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, टैक्सेशन और सीमा पार व्यापार विनियम सहित ई-कॉमर्स द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने वाली नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, कॉमर्स विभाग इनोवेशन को बढ़ावा देने, मार्केट एक्सेस को बढ़ाने और सभी आकार के बिजनेस के लिए एक लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करने के लिए इंडस्ट्री हितधारकों के साथ सहयोग करता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर और ई-कॉमर्स बुनियादी ढांचे के विकास को समर्थन देकर, ये विभाग आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की सुविधा प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे ई-कॉमर्स विकसित हो रहा है, वाणिज्य विभाग डिजिटल अर्थव्यवस्था की जटिलताओं को नेविगेट करने और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा करते हुए और उचित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

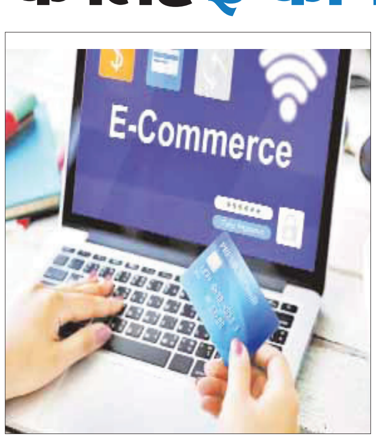

वाणिज्य का दायरा

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:- वाणिज्य में देश के भीतर और सीमाओं के पार व्यापार शामिल है। घरेलू व्यापार में स्थानीय खरीद और बिक्री शामिल है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में निर्यात और आयात शामिल हैं जो वैश्विक बाजारों को जोडते हैं और उपभोक्ता की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

बिजनेस ऑपरेशनः- इसमें प्रोडक्शन और मार्केटिंग से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक, बिजनेस द्वारा की जाने वाली सभी गतिविधियों का समूह शामिल है। आसान ऑपरेशन बिजनेस को ग्राहक की मांगों को कुशलतापूर्वक पूरा करने और प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में मदद करते हैं।

फाइनेंस और बैंकिंगः- फाइनेंशियल संस्थान क्रेडिट, लोन और निवेश विकल्प जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। ये सेवाएं दैनिक संचालन, विस्तार योजनाओं और समग्र बिजनेस विकास को सपोर्ट करती हैं, जिससे वे वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते है। उदाहरण के लिए, एक स्व-व्यवसायी के लिए पर्सनल लोन प्रोफेशनल बिजनेस से संबंधित खर्चों को फंड करने और कार्यशील पूंजी को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बीमा और जोखिम मैनेजमेंटः- बीमा प्राकृतिक आपदाओं या मार्केट शिफ्ट जैसे कारकों के कारण होने वाले अप्रत्याशित नुकसान से बिजनेस की सुरक्षा करता है। प्रभावी जोखिम मैनेजमेंट बिजनेस की निरंतरता और फाइनेंशियल स्थिरता सुनिश्चित करता है।

ई-कॉमर्सः डिजिटल कॉमर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदने और बेचने की सुविधा देता है। यह बिजनेस को व्यापक दर्शकों तक पहुंचने, तेज ट्रांजैक्शन की सुविधा प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और ऑनलाइन स्टोरफ्रंट के माध्यम से वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देता है।

अर्थव्यवस्था में कॉमर्स की भूमिका

कॉमर्स अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने और व्यापार, रोजगार और इनोवेशन के माध्यम से रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कॉमर्स वस्तुओं और सेवाओं के एक्सचेंज को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, जिससे उच्च उत्पादन, आय और रोजगार उत्पन्न होता है। यह रिटेल, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंस, मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है, जिससे बेरोजगारी को कम करने में मदद मिलती है. व्यापार के माध्यम से, व्यक्तियों और बिजनेस आय अर्जित करते हैं, जिन्हें विस्तार, इनोवेशन और लॉन्ग टर्म समृद्धि को समर्थन देने के लिए दोबारा निवेश किया जा सकता है. वाणिज्य श्रम के विभाजन को बढ़ावा देता है. जिससे बिजनेस को मुख्य शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने, उत्पादन लागत को कम करने और उत्पादकता में सुधार करने की अनुमति मिलती है. कॉमर्स प्रतिस्पर्धी मार्केट, ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए प्रोडक्ट, सेवाएं और टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए बिजनेस को बढ़ावा देते हैं.

व्यापार और आर्थिक ट्रांजैक्शन की सुविधाः- वाणिज्य उपभोक्ताओं और उत्पादकों के बीच आसान ट्रांजैक्शन सुनिश्चित करता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से सुविधाजनक बनाया जा सकता है।

भौगोलिक बाधाओं को समाप्त करनाः- परिवहन नेटवर्क का लाभ उठाना, वाणिज्य भौगोलिक प्रतिबंधों को कम करता है, जिससे वस्तुओं को वैश्विक स्तर पर उपभोक्ताओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

समय सीमाओं का प्रबंधनः- कॉमर्स में कुशल वेयरहाउसिंग लगातार सप्लाई चेन सुनिश्चित करता है, उत्पादन और खपत के बीच देरी को कम करता है।

फाइनेंशियल सहायता और सुरक्षाः- कॉमर्स सुरक्षित बैंकिंग ट्रांजेक्शन, क्रेडिट सुविधाएं और विश्वसनीय भुगतान समाधान प्रदान करता है, जो बिजनेस और व्यक्तियों के लिए फाइनेंशियल बाधाओं का समाधान करता है। विशेष रूप से, सिक्योर्ड बिज़नेस लोन एसेट पर उच्च मूल्य की फंडिंग तक पहुंच प्रदान कर सकता है, जिससे बिजनेस को कम ब्याज के बोझ के साथ स्केल करने में मदद मिलती है।

बीमा के माध्यम से रिस्क मैनेजमेंटः- कॉमर्स में बीमा सेवाएं अप्रत्याशित नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती हैं, स्थिरता और आश्वासन प्रदान करती हैं।

विज्ञापन के माध्यम से ज्ञान का प्रसारः- वाणिज्य विज्ञापन के माध्यम से प्रोडक्ट की जानकारी का प्रसार करता है, उपभोक्ताओं को सूचित खरीद निर्णयों के लिए ज्ञान के साथ सशक्त बनाता है।

आर्थिक विकास में इंटीग्रल भूमिकाः- कुल मिलाकर, मजबूत कार्यशील पूंजी चक्र के माध्यम से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अंतर को कम करने और आर्थिक दक्षता को अनुकूल बनाने के लिए वाणिज्य अनिवार्य है।

वाणिज्यिक पहेलियां

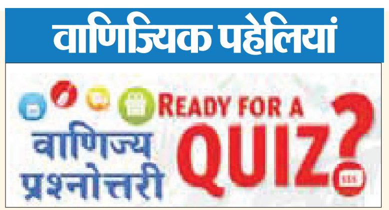

1. 'अपवादों द्वारा प्रबन्ध' की तकनीक को किसने विकसित किया?
(अ) जोसेफ एल. मैसी (ब) लेस्टर आर. बिटेल (स) एल. एफ. उर्विक (द) पीटर एफ. ड्रफर
उत्तर - लेस्टर आर. बिटेल

2. नई औद्योगिक नीति की घोषणा किस वर्ष की गई थी?
(अ) 1997 (ब) 1951 (स) 1991 (द) 1998
उत्तर - 1991

3. कर्मचारियों की विकास सम्भाव्यता की पहचान किसके जरिए की जाती है?
(अ) कार्य संवर्धन (ब) कार्य मूल्यांकन (स) कार्य मूल्यांकन केन्द्र (द) पदस्थिति का विवरण
उत्तर - कार्य मूल्यांकन

4. मशीन को खरीद के स्थान से स्थापति करने के स्थान तक लाने के लिए, बीमा खर्च को क्या कहते है?
(अ) पूंजी खर्च (ब) आगम खर्च (स) स्थगित आगम खर्च (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - पूंजी खर्च

5. कौन-सी पद्धति मुद्रा का समय मूल्य पर विचार नहीं करती?
(अ) शुद्ध वर्तमान मूल्य (ब) आंतरिक प्रत्याय दर (स) औसत प्रत्याय दर (द) लाभ सूचकांक
उत्तर - औसत प्रत्याय दर

6. प्रतियोगी की योजना को मद्देनजर रखते हुए बनाई योजना क्या कहलाती है?
(अ) नीति (ब) क्रियाविधि (स) व्यूह रचना (द) गुप्त योजना
उत्तर - व्यूह रचना

7. 'विपणन मिश्रण' अभिव्यक्ति का सृजन किसने किया?
(अ) हेनरी फेयोल (ब) जेम्स कूलीटन (स) पीटर ड्रकर (द) अब्राहम मास्लो
उत्तर - जेम्स कूलीटन

8. प्रबन्धन में मानव सम्बन्ध दृष्टिकोण किस विचारक से सम्बन्धित है?
(अ) अब्राहम मास्लो (ब) पीटर एफ. ड्रकर (स) एल्टोन मायो (द) हैजरबर्ग
उत्तर - पीटर एफ. ड्रकर

शब्द पहेली - 8924

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8923 का हल

फि	त	र	त		स	ला	म	त
रं		त	ल	ब	गा	र		मी
गी	ला			द			ह	ज
	ल		क	न	क		म	
ध	कि	या	ना		या	या	व	र
	ता		त	म	स		त	
ऐ	ब			ना			न	न
न		ख	ल	ना	य	क		क
क	र	त	ब		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेसी ने ही दोनों गोल असिस्ट किए, इंग्लैंड 85 मिनट तक आगे रहकर हारा, यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा

आखिरी 7 मिनट में 2 गोल करके अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्वकप फाइनल में

एजेंसी, अटलांटा

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा। अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी। यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है।

फुटबॉल कम, लड़ाई ज्यादा

■ मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।

■ 33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट में लगकर बाहर चली गई। अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडेज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया।

■ 37वें मिनट में लियोनेल मेसी आगे बढ़े, लेकिन इलियट एंडरसन ने उन्हें रोकने के लिए फाउल किया। इस पर एंडरसन को येलो कार्ड मिला। 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज को भी कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए।

लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में स्कालोनी

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाले इतिहास के 7वें कोच बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ विटोरियो पोजो, हेल्मुट शॉन, मारियो जगालो, कार्लोस बिलार्डो, फ्रांज बेकेनबाउर और डिडियर डेशां ने हासिल की थी।

अर्जेंटीना लगातार दो फाइनल में

2022 में चैंपियन बनने के बाद अर्जेंटीना ने 2026 में भी फाइनल में जगह बना ली। टीम इतिहास में पहली बार लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल खेलेगी। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना छठा सेमीफाइनल खेला। अर्जेंटीना कभी भी सेमीफाइनल नहीं हारा।

अर्जेंटीना लगातार 14वां मैच जीता

इंग्लैंड को हराकर अर्जेंटीना ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 14वीं जीत दर्ज की। टीम सितंबर 2025 में इक्वाडोर से हारने के बाद एक भी मैच नहीं हारी है।

एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल

अर्जेंटीना ने मौजूदा टूर्नामेंट में 19 गोल किए हैं। यह टीम का एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड है। अर्जेंटीना ने लगातार 14 वर्ल्ड कप मैचों में कम से कम 2 गोल किए हैं। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

हैरी केन सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले आउटफील्ड खिलाड़ी

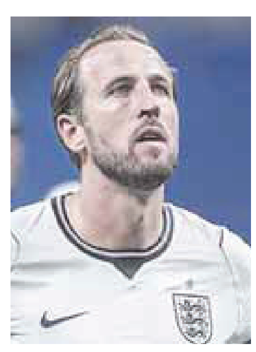

अर्जेंटीना के खिलाफ उतरते ही हैरी केन ने इंग्लैंड के लिए 121वां मैच खेला। वह वेन रूनी को पीछे छोड़कर इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए। ओवरऑल उनसे आगे सिर्फ गोलकीपर पीटर शिल्टन (125 मैच) हैं।

मेसी के पास ने पलटा मैच, लॉटारो ने तोड़ा इंग्लैंड का सपना

गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। लियोनेल मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडेज को दी। फर्नांडेज ने करीब 25 गज की दूरी से शॉट लगाया। गेंद खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए सीधे नेट में जा समाई। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी ने फिर कमाल कर दिखाया। उन्होंने दाईं ओर से बॉल बॉक्स में भेजी। सब्स्टीट्यूट स्ट्राइकर लॉटारो मार्टिनेज डिफेंडरों से आगे निकले और शानदार हेडर के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अर्जेंटीना ने 7 मिनट के भीतर मैच पलटते हुए 2-1 की बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड का गोल

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की। जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया। 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया। हैरी केन के लंबे पास पर अर्जेंटीना का डिफेंस पूरी तरह क्लियरेंस नहीं कर सका। डेक्लन राइस ने गेंद मॉर्गन रोजर्स को दी। रोजर्स ने दाईं ओर से सटीक क्रॉस डाला, जिस पर एंथनी गॉर्डन ने बॉक्स से आसान फिनिश किया। यह टूर्नामेंट में गॉर्डन का पहला गोल था और इंग्लैंड 1-0 से आगे हो गया।

भारत ने 234 रन का टारगेट दिया, कोहली और श्रेयस का अर्धशतक

एजेंसी, कार्डिफ

भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही है। टीम ने 234 रन का पीछा करते हुए 7 ओवर में 29 रन पर 2 विकेट गंवा दिए हैं। कप्तान हैरी ब्रूक और जो रूट क्रीज पर हैं। जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथेल को आउट किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 44 ओवर में 233 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रेयस अय्यर (66) और विराट कोहली (65) ने अर्धशतक लगाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। आखिर में जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 20 रन बनाकर टीम को 230 के पार पहुंचाया। भारत ने एक समय 3 विकेट पर 178 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद 55 रन के अंदर 7 विकेट गंवा दिए। रोहित शर्मा (26) और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। कप्तान शुभमन गिल ने 31 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने 3-3 विकेट लिए।

विराट कोहली ने तोड़ा द्रविड़ का रिकॉर्ड

कोहली अब इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इस मैच से पहले उन्हें 4 रन की जरूरत थी और ऐसा करते ही उन्होंने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कोहली के नाम इंग्लैंड में खेल के सभी फॉर्मेट में कुल 2,677 रन हो गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 18 अर्धशतक और तीन शतक लगाए हैं। वहीं द्रविड़ जो पहले स्थान पर थे उनके 2645 रन थे। तीसरे नम्बर पर गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने इंग्लैंड में 2626 रन बना हैं। लिस्ट में चौथे नम्बर पर रोहित शर्मा हैं जिनके 2324 रन हैं। इस लिस्ट में सौरव गांगुली (1949), महेंद्र सिंह धोनी (1869) का नाम भी शामिल है।

स्टेफानी का दूसरा शतक, आयरलैंड को 64 रन से हराया

ब्रेडी (आयरलैंड)। स्टेफानी टेलर के लगातार दूसरे शतक से वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 64 रन से जीत लिया है। इसी के साथ उसने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह जनवरी 2025 के बाद वेस्टइंडीज की पहली वनडे सीरीज जीत है। ब्रेडी में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने 82 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। यहां से स्टेफानी टेलर ने 105 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। उन्होंने लोअर ऑर्डर के बैटर्स के साथ अहम साझेदारियां कीं और स्कोर 257 रन तक पहुंचाया। 258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम 193 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 64 रन से जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप पूरा किया। वेस्टइंडीज की स्पिन जोड़ी करिश्मा रामहरैक और अफी फ्लेचर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट झटके। टेलर ने इस पारी के दौरान अपने वनडे करियर का 10वां शतक लगाया। वह लगातार दो मैचों में शतक जड़ने वाली वेस्टइंडीज की दूसरी बल्लेबाज बनीं। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की।

सिंधु जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, टोक्यो

ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार को महिला एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की हान यू को हराकर जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। आज यहां टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में अभी 10वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु ने चीन की दुनिया की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को मात्र 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। यह भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए स्थानीय पसंदीदा और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा का सामना करेंगी। ओकुहारा तब आगे बढ़ीं जब दक्षिण कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग अपने दूसरे राउंड के मैच से हट गईं। पहले गेम में धीमी शुरुआत के बाद, पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और रैलियों पर नियंत्रण बनाते हुए बढ़त हासिल की और पहला गेम जीत लिया। इसके बाद भारतीय शटलर ने दूसरे गेम में भी वही लय बनाए रखी, 8-0 की बढ़त बना ली और हान यू को वापसी का कोई खास मौका नहीं दिया। चीनी खिलाड़ी ने कुछ समय के लिए अंतर को कम किया, लेकिन सिंधु ने संयम बनाए रखा, मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत रखी और शानदार जीत दर्ज करते हुए अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। सिंधु ने ओकुहारा के खिलाफ होने वाले मैच के बारे में कहा, 'हम बचपन से, यानी अंडर-19 के समय से ही साथ खेल रहे हैं और हमने कई बार एक-दूसरे का सामना किया है। मुझे लगता है कि कल का मैच रोमांचक होगा। हाल के दिनों में वह भी अच्छा खेल रही हैं और उनके कुछ अच्छे मैच हुए हैं। आज उनका कोई मैच नहीं है क्योंकि एन से-यंग हट गई हैं। लेकिन मेरे लिए जरूरी है कि मैं वापस जाकर अच्छी तरह रिकवर करूं और कल और मजबूती से वापसी करूं।

मेजर लीग में वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन का 31 गेंद में शतक

एजेंसी, वॉशिंगटन

वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने मेजर क्रिकेट लीग में 31 गेंद में शतक लगा दिया है। उन्होंने गुरुवार को मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 5 चौके और 13 छक्कों से सजी पारी खेली। उनकी पारी के दम पर न्यूयॉर्क ने वॉशिंगटन को 266 रन का टारगेट दिया है। जवाब में फ्रीडम ने 7 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बना डाले हैं। लीग के एक अन्य मुकाबले में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 7 रन से हराकर पहली बार मेजर लीग क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश किया है। फाइनल मैच 19 जुलाई को ऑकलैंड में खेला जाएगा। नाइट राइडर्स ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। नाइट राइडर्स की ओर से कॉलिन मुनरो (44 गेंदों पर 51) और आंद्रे रसेल

मंत्री विश्वास सारंग ने लॉर्ड्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर दी शुभकामनाएं

मप्र की बेटी और भारतीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि प्रदेश की बेटी और भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राजधानी भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ से मुलाकात कर इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं मंत्री सारंग ने कहा कि क्रांति गौड़ ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। मंत्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि क्रांति गौड़ की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की हजारों बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी और आने वाले समय में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है। आधुनिक खेल अधोसंरचना, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल अवसरों के विस्तार का ही परिणाम है कि आज प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। क्रांति गौड़ मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के घुवारा की रहने वाली है।

लॉड्र्स में जीत जीवन का सबसे बड़ा पल : क्रांति

क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने कहा कि लॉड्र्स में भारत की जीत का हिस्सा बनना मेरे और मेरे परिवार के लिए जीवन का सबसे बड़ा पल था। लॉड्र्स के प्रतिष्ठित ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज होते देख उन्होंने उसी समय परिवार को वीडियो कॉल कर वह ऐतिहासिक क्षण साझा किया। उन्होंने कहा कि ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराना हर क्रिकेटर का सपना होता है। पहली भारतीय महिला क्रिकेटर के रूप में वहां अपना नाम दर्ज होना मेरे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार, मेरे कोचों, मध्यप्रदेश और पूरे देश की है।

भारतीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ का साई भोपाल में स्वागत

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल में प्रख्यात भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ का स्वागत किया गया। इस अवसर पर साई सीआरसी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने उनसे सौहार्द्रपूर्ण चर्चा की। बैठक के दौरान क्षेत्रीय निदेशक ने उन्हें फिट इंडिया मूवमेंट के बारे में भी जानकारी दी तथा इसके उद्देश्य से अवगत कराया। अभिषेक सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में क्रांति गौड़ की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी तथा भविष्य में भी भारतीय टीम के साथ वैश्विक मंच पर निरंतर सफलता प्राप्त करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। साई सीआरसी भोपाल गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, वैज्ञानिक सहयोग तथा खिलाड़ियों के समग्र विकास के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर तैयार करने हेतु प्रतिबद्ध है।

पुजारा ने भारत में अधिक जीवंत विकेट तैयार करने की वकालत की

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने भारत में अधिक जीवंत विकेट बनाने की वकालत की ताकि उससे गेंदबाजों को भी मदद मिल सके क्योंकि भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड जैसे देशों में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिचों पर जूझ रहे हैं। भारतीय बल्लेबाजों को उछाल और गति का सामना करने में काफी परेशानी हुई और बेलफास्ट में कम रैंकिंग वाली आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद उसे इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय बल्लेबाजों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन ब्रिटेन दौरे में वह परिस्थितियों से तालमेल बिठाने में नाकाम रहे। पुजारा ने कहा, आईपीएल में भी कोई ऐसा मैच नहीं चाहता जहां टीम आसानी से 260 रन का लक्ष्य हासिल कर ले। इसमें भी गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए।

भोपाल के खिलाड़ियों ने जीते 2 स्वर्ण सहित 12 पदक

■ 54वीं सब जूनियर और मिनी ग्रुप राज्य तैराकी प्रतियोगिता

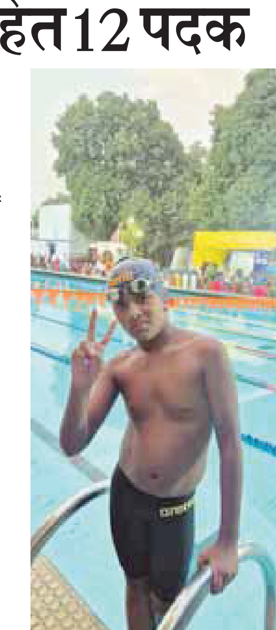

भोपाल। इंदौर में आयोजित 54वीं सब जूनियर और मिनी ग्रुप राज्य तैराकी प्रतियोगिता के पहले दिन भोपाल की टीम ने 2 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य पदक कुल 12 पदक प्राप्त किए। धवित पाठक और तीशा पंथी ने ग्रुप-4 में 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में स्वर्ण, तेजस बाथम और ईशान सिंह सेंगर ने रजत, मौली आहूजा ने 100 बेक स्ट्रोक, 400 फ्रीस्टाइल में कांस्य, अरनब चौधरी, किमाया तिवारी ने अपने ग्रुप में 1-1 कांस्य पदक प्राप्त किए। इसके अलावा रिले स्पर्धा में 3 रजत, एक कांस्य पदक भोपाल टीम ने अर्जित किए।

शिकायतें बेअसर, पाट दिया जहरीला तालाब, काटे जा रहे प्लॉट

भोपाल (नगर संवाददाता)

यूनियन कार्बाइड परिसर के पीछे स्थित जहरीले तालाब को पिछले 5 महीने में एक निजी बिल्डर ने जेसीबी की सहायता से समतल कर दिया और अब उस पर प्लाट काटे जा रहे हैं, लेकिन तमाम शिकायतों के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह आरोप लगाते हुए गुरुवार को गैस पीड़ित संगठनों ने एक बार फिर पूरे मामले पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग उठाई। गैस पीड़ित संगठन भोपाल ग्रुप फॉर इंफार्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा का कहना है कि एनजीटी के संज्ञान लेने के बावजूद और कलेक्टर, गैस राहत कमीश्नर और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तक लगातार शिकायतें करने पर भी यूनियन कार्बाइड के पीछे स्थित सोलर इवेपोरेशन पॉन्ड्स (ज़हरीले तालाब) को प्राइवेट बिल्डर ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। ढींगरा ने इससे जुड़े फोटो भी सार्वजनिक किए हैं।

संगठनों का आरोप है कि ये काम राजनैतिक संरक्षण में पिछले 5 माह से चल रहा है। गैस पीड़ित संगठन इसके बारे में अधिकारियों को मार्च 2026 से फोटो, वीडियो और पत्र के माध्यम से इस गैरकानूनी कृत्य के बारे में लगातार बताते आ रहे है लेकिन अफसरों ने कोई कार्यवाही नहीं की।

गैस राहत विभाग ने हाईकोर्ट में दे रखा है शपथपत्र

रचना का कहना है कि एक तरफ गैस राहत विभाग ने मप्र उच्च न्यायालय में हलफनामा पेश कर ये बताया है कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले तालाबों (एसईपी) में जहर आंकलन और सफाई के लिए कंपनी का चयन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जबकि हकीकत यह है कि उसी तालाब को तबाह करके उस पर प्लाट कटने की तैयारी है। रचना का आरोप है कि यह सब सिर्फ जहरीले कचरे के मामले पर पर्दा डालने और इस मामले को दबाने के लिए किया गया है।

हो सकते हैं घातक परिणाम

इस मामले में निराश्रित गैसपीड़ित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के संयोजक बालकृष्ण नामदेव ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह तालाब पूरी तरह जहरीले कचरे से भरा हुआ था, जिसकी सफाई जरूरी थी, लेकिन सरकार ने अपनी जिम्मेदारी टालने के लिए यहां अवैध कब्जा हो जाने दिया, लेकिन आने वाले समय में इसके घातक परिणाम हो सकते हैं।

विदेश यात्राओं, नए कॉन्ट्रैक्ट्स और वीआईपी कल्चर पर लगाई रोक

भोपाल। देश में वित्तीय प्रबंधन और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता को लेकर राज्य सरकारें अब बेहद सख्त रुख अपना रही हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 और आगामी वर्ष 2027-28 के बजट आवंटन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। फिजूलखर्ची पर पूरी तरह लगाम लगाते हुए कई तरह की गतिविधियों और खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासनिक स्तर पर इस कदम को कड़े वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता के रूप में देखा जा रहा है। यह नियम सभी सरकारी विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा।

सांसद आलोक शर्मा ने की शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट की हाईलेवल समीक्षा बैठक

राजधानी में हैं 16 ब्लैक स्पॉट, 37 लेफ्ट टर्न, इन्हीं जगह सबसे ज्यादा हादसे

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर के अलग-अलग इलाकों में 16 ब्लैक स्पॉट और 37 लेफ्ट टर्न हैं। यहीं सबसे ज्यादा सड़क हादसे हो रहे हैं। वहीं शहर में अब तक ई-रिक्शा के रूट तय नहीं हुए हैं। इसको लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने नाराजगी जताई। बैठक में ट्रैफिक पुलिस, एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी अधूरी जानकारी लेकर पहुंचे। इस पर भी शर्मा ने नाराजगी जताई। सांसद ने कहा कि अगली बैठक में पूरी तैयारी के साथ आएं।

दरअसल गुरुवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट की हाईलेवल समीक्षा बैठक हुई। सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता वाली बैठक में सांसद ने शहर के 16 ब्लैक स्पॉट समाप्त करने, 37 लेफ्ट टर्न ठीक करने, ट्रैफिक सिग्नलों को चालू करने, यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमण, कंडम वाहन हटाने, विद्युत पोल हटान, अन्य बाधाओं को शिफ्ट करने और ई-रिक्शा के संचालन को लेकर समीक्षा की गई। सांसद ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि आम नागरिकों को बाजार, स्कूल, कार्यालय, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य स्थानों तक आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है।

पोल हटाने और लेफ्ट टर्न सुधार के लिए 10 करोड़ स्वीकृत

ट्रैफिक मैनेजमेंट की बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने बिजली पोल हटाने और लेफ्ट टर्न सुधारने के लिए 10 करोड़ की राशि स्वीकृत पर महापौर मालती राय और नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को धन्यवाद दिया। वहीं उन्होंने आगामी त्यौहारों के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात प्रबंधन की सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि त्योहारों के दौरान लोगों को जाम का सामना न करना पड़े।

ई-रिक्शा के रूट तय नहीं होने का मुद्दा भी उठा, सांसद अधिकारियों पर हुए नाराज

जलभराव वाली सूची सौंपी

बैठक के दौरान शहर की विभिन्न सड़कों पर जलभराव के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। सांसद शर्मा ने महापौर मालती राय को सूची सौंपते हुए कहा कि जलभराव वाले स्थानों पर नगर निगम अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दें। अधिकारी मौके पर जाएं और सडक़ों को ठीक कराने का काम करें।

अधूरी जानकारी लेकर पहुंचे अधिकारी

बताया जाता है कि समीक्षा के दौरान पीडब्ल्यूडी, राजस्व, ट्रैफिक पुलिस, एनएचएआई और एमपीआरडीसी के अधिकारी कई बिंदुओं पर अधूरी जानकारी लेकर पहुंचे और सांसद को संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही कहा कि अगली समीक्षा बैठक में सभी अधिकारी पूरी तैयार के साथ उपस्थित हों।

महापौर ने कहा बुधवारा में अतिक्रमण

बैठक में महापौर मालती राय ने सदर मंजिल से काली मंदिर चौराहा और वहां से बुधवारा तक के अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। इस पर सांसद शर्मा ने पुलिस, राजस्व और नगर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर पूरे इलाके से अतिक्रमण हटाएं।

बुजुर्ग दंपति हत्याकांड: हथियार बड़े तालाब में फेंक सबूत मिटाने वाली पत्नी, बेटा गिरफ्तार

बदमाश श्रीकांत और चाचा शशिकांत को वारदात की रात आरोपी बेटे ने कार से छोड़ा, हत्या के बाद वापस घर ले गया, पूछताछ जारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

ऐशबाग के सुदामा नगर स्थित अंबेडकर कॉलोनी में हुए चर्चित बुजुर्ग दंपति हेमंत फिलेमोन और शकुंतला बारीक हत्याकांड में एसआईटी ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए मुख्य आरोपी श्रीकांत चिंचलिया की पत्नी विनी चिंचलिया और छोटे बेटे हृदय चिंचलिया को भी गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि बेटा वारदात की रात दोनों आरोपियों को घटनास्थल तक छोड़ने और वापस लाने में शामिल था। इसके बाद पत्नी और बेटे ने हत्या में इस्तेमाल दोनों पिस्टलों को बड़े तालाब में फेंककर मिटाने की कोशिश की।

एसआईटी के अनुसार, हत्या के बाद जब श्रीकांत चिंचलिया को पहली बार पूछताछ के लिए बुलाया, तभी उसे पुलिस के घर तक पहुंचने का अंदेशा था। पूछताछ से लौटने के बाद पत्नी विनी को वारदात की जानकारी दी और हत्या में इस्तेमाल दोनों पिस्टलों को तुरंत ठिकाने लगाने कहा। इसके बाद विनी ने घटना के करीब एक सप्ताह बाद वीआईपी रोड स्थित राजा भोज प्रतिमा के सामने बड़े तालाब में

दोनों हथियार फेंक दिए, ताकि पुलिस को अहम साक्ष्य न मिल सके। जांच के दौरान इस तथ्य का खुलासा होने पर पुलिस ने उसे भी आरोपी बना लिया। जांच में सामने आया कि वारदात की रात श्रीकांत का छोटा बेटा हृदय चिंचलिया अपने पिता श्रीकांत और चाचा शशिकांत को कार से सुभाष रेलवे ओवरब्रिज तक छोड़कर गया था। वहां से दोनों आरोपी पैदल अंबेडकर कॉलोनी स्थित दंपति के घर पहुंचे और गोली मारकर हत्या करने के बाद वापस उसी स्थान पर लौटे, जहां हृदय कार लेकर उनका इंतजार कर रहा था। इसके बाद तीनों वहां से फरार हो गए। पुलिस का मानना है कि हृदय को वारदात की पूरी जानकारी थी और उसने आरोपियों की भागने में मदद की।

कई महत्वपूर्ण कड़ियां जुड़ना अभी बाकी...

एसआईटी फिलहाल श्रीकांत और शशिकांत को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं श्रीकांत की पत्नी और बेटे को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में अभी कई महत्वपूर्ण कड़िया जुड़ना बाकी है और जांच के आधार पर कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। ऐसे में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। अब पुलिस इस पूरे षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी गहन जांच कर रही है।

[कार्रवाई] संबंधित अस्पतालों के पास नहीं था राष्ट्रीय अस्पताल अधिमान्यता बोर्ड का प्रमाणपत्र

आयुष्मान भारत योजना : 126 अस्पतालों की मान्यता कर दी खत्म, मरीज परेशान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सरकार ने इलाज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए आयुष्मान भारत योजना से जुड़े 126 निजी अस्पतालों की मान्यता समाप्त कर दी है। इन अस्पतालों को तकनीकी मानकों का पालन नहीं करने के कारण योजना से बाहर किया गया है। प्रमुख वजह यह रही कि संबंधित अस्पताल राष्ट्रीय अस्पताल अधिमान्यता बोर्ड (एनएबीएच) का अनिवार्य प्रमाणपत्र निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत नहीं कर सके।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी निजी अस्पतालों के लिए एनएबीएच प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार का उद्देश्य केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ाना नहीं सुविधाएं देना है। फिलहाल यह व्यवस्था प्रदेश के चार बड़े शहरों–भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर–में लागू की गई है। इन शहरों के निजी अस्पतालों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। वहीं छोटे शहरों और कस्बों के अस्पतालों को राहत देते हुए एनएबीएच एंट्री लेवल अधिमान्यता प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। इसके बाद उन्हें अगले दो वर्षों के भीतर पूर्ण एनएबीएच मान्यता हासिल करनी होगी।

करीबन दो साल पहले सरकार ने इलाज की गुणवत्ता सुधारने के लिए बड़े शहरों में एनएबीएच यानि अस्पताल के काम की जांच करने वाली बोर्ड का प्रमाणपत्र जरूरी कर दिया है। 31 मार्च तक जिन 126 अस्पतालों ने प्रमाणपत्र नहीं लिया, उनको योजना से बाहर कर दिया है। जिन अस्पतालों की मान्यता खत्म हुई है, उनमें भोपाल के 51, इंदौर 30, ग्वालियर 33 और जबलपुर के 12 अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान योजना से जुड़े हैं मध्यप्रदेश के 490 अस्पताल

बता दें कि 23 सितंबर 2018 में शुरू हुई प्रदेश में आयुष्मान योजना से कुल 490 सरकारी और निजी अस्पताल जुड़े हुए हैं। इनमें से 398 निजी अस्पताल है। प्रदेश में आयुष्मान कार्ड के जरिए 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक 4.46 करोड़ से अधिक कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं 58 लाख से ज्यादा मरीजों ने इस योजना का लाभ उठाया है। योजना के तहत पात्र व्यक्ति को सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में सालाना पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज की कैशलेस सुविधा दी जाती है। इनमें गंभीर बीमारियों के लिए अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी और दवाइयों का खर्च योजना में शामिल है।

इनका कहना है...

एक अप्रैल 2026 से आयुष्मान योजना का लाभ लेने वाली संस्थाओं को एनएबीएच प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया है। चार बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में ये नियम लागू है. छोटे अस्पतालों को एंट्री लेवल बोर्ड अधिमान्यता लेकर दो साल में अपग्रेड करने का अवसर दिया गया है। निजी अस्पतालों का लगभग 550 करोड़ और सरकारी अस्पतालों का 350 करोड़ बकाया है, उनके भुगतान की प्रक्रिया आज से चालू कर दी है।

- डॉ. अरविंद शाह, सीईओ आयुष्मान भारत निरामयम, भोपाल मध्यप्रदेश।

मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ

बताया जाता है कि जिन 126 निजी अस्पतालों की मान्यता निरस्त हो गई है, तो वहां पहुंचने वाले मरीजों को लाभ नहीं मिलने से दूसरे अस्पतालों में पैसे देकर इलाज करने को मजबूर है। दूसरी ओर एक अस्पताल संचालक ने स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाया कि हमने अपनी बकाया राशि के भुगतान के लिए क्लेम किया, तो सरकार ने अधिमान्यता बोर्ड से प्रमाणमत्र लाने की कह दी। हम प्रमाणपत्र नहीं ला पाये तो अस्पताल को आयुष्मान योजना से बाहर कर दिया है।

कैंसर यूनिट तैयार, बजट अभाव में मरीजों को नहीं मिल रहा इलाज

यूनिट संचालन में आ रही परेशानी

- हर महीने आते हैं 1500 मरीज, हो रहे परेशान

भोपाल (नगर संवाददाता)

हमीदिया अस्पताल में कैंसर मरीजों के बेहतर और आधुनिक इलाज के लिए तैयार की गई रेडिएशन यूनिट अब भी शुरू होने का इंतजार कर रही है। यूनिट का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन बजट स्वीकृति नहीं मिलने के कारण मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांधी मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि बजट मिलते ही अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह यूनिट शुरू कर दी जाएगी।

गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता सिंह ने बताया कि कैंसर रेडिएशन यूनिट बनकर तैयार है। इसके संचालन के लिए आवश्यक बजट का इंतजार किया जा रहा है। बजट स्वीकृत होते ही मरीजों के लिए सेवा शुरू कर दी जाएगी।

हमीदिया अस्पताल में हर महीने करीब 1500 कैंसर मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान में अत्याधुनिक रेडिएशन सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कई मरीजों को एम्स भोपाल सहित अन्य संस्थानों में जाना पड़ता है। नई यूनिट शुरू होने के बाद जांच, कैंसर की स्थिति का पता लगाने और रेडियोथैरेपी जैसी सुविधाएं एक ही जगह मिल सकेंगी। इससे मरीजों का समय और इलाज का खर्च दोनों कम होंगे।

मशीनों से बदलेगी इलाज की तस्वीर

यूनिट में करीब 75 करोड़ रुपये की तीन बड़ी मशीनें स्थापित की जानी हैं। इसमें 25 करोड़ रुपये की पेट-सीटी स्कैन मशीन कैंसर की पहचान और उसके फैलाव की जानकारी देगी। वहीं करीब 40 करोड़ रुपये की लिनियर एक्सीलेटर मशीन रेडिएशन के जरिए कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करेगी। इसके अलावा 10 करोड़ रुपये की ब्रैकीथैरेपी मशीन ट्यूमर के पास सीधे रेडिएशन देकर सटीक इलाज करेगी।

सुरक्षा के लिए बनाया गया विशेष बंकर

लिनियर एक्सीलेटर मशीन के लिए हमीदिया अस्पताल में विशेष बंकर तैयार किया गया है। रेडिएशन से सुरक्षा के लिए इसकी दीवारें करीब तीन मीटर मोटी बनाई गई हैं। वहीं ब्रैकीथैरेपी मशीन कमला नेहरू अस्पताल में स्थापित की जाएगी। नई यूनिट में डुअल एनर्जी लिनियर एक्सीलेटर तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे ट्यूमर पर सटीक वार कर आसपास के स्वस्थ ऊतकों को कम नुकसान पहुंचाया जा सकेगा।

राज्य ट्रायथलॉन प्रतियोगिता नीमच में

भोपाल। 30वीं मध्य प्रदेश सब जूनियर, जूनियर एक्वाथलॉन एवं सीनियर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता नीमच में 23 से 26 जुलाई तक होगी। प्रतियोगिता में मान्यता प्राप्त 24 जिले के बालक, बालिकाएं ,महिला तथा पुरुष 12 खेलों में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को आवास, किट, भोजन एवं स्थानीय यातायात हेतु प्रवेश फीस सहित सभी सुविधाएं निशुल्क दी जाएंगी। प्रतियोगिता की व्यवस्था सह सचिव ओ.पी अवस्थी, रघुवीर तिवारी, जे.पी सक्सेना तथा श्रीकांत तिवारी उमाशंकर व्यास आदि देखेंगे।

दतिया उपचुनाव में सपा ने कांग्रेस को दिया समर्थन

भोपाल। समाजवादी पार्टी ने दतिया विधानसभा के उप चुनाव में कांग्रेस पार्टी को समर्थन दिया है। यह बात गुरूवार को भोपाल में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कही। सपा अध्यक्ष मनोज यादव ने छतरपुर जिले के कोंडा गांव में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम को ग्रामीणों पर गोली चलाए जाने के प्रकरण में गिरफ्तारी के बाद जेल में और पुलिस द्वारा व्हीआईपी टीटमेंट दिए जाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ने भाई के नाम खरीदी करोड़ों की जमीन, इन्हें भी आरोपी बनाया जाए।

मंत्री गौर ने वार्ड 57 में 81 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 57 में लगभग 81 लाख रुपये की लागत के विभिन्न लोक-कल्याणकारी निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। भगत सिंह चौराहे से शक्तिनगर तक सड़क के दोनों ओर 33 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण ,शक्तिनगर सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर के समीप श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 8 लाख रुपये की लागत से शेड का निर्माण तथा स्थानीय युवाओं को खेल के आधुनिक संसाधन एवं रात्रिकालीन खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुभाष खेल मैदान में 40 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक फ्लड लाइट का भूमि - पूजन किया। कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, धार्मिक व सामाजिक स्थलों का कायाकल्प और खेल प्रतिभाओं को उन्नत मंच प्रदान करना उनकी विकास नीति का एक अनिवार्य हिस्सा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल नागरिकों को उच्च स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी खेल गतिविधियों को निखारने के लिए मौका मिलेगा।

अनुमोदित लेआउट से अलग जारी की गई थीं बिल्डिंग परमिशन

भवन अनुमति में गड़बड़ी पर दो आर्किटेक्ट के लाइसेंस रद्द

- समीक्षा में सामने आई अनियमितताएं

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल नगर निगम ने भवन निर्माण अनुमति जारी करने में नियमों की अनदेखी करने वाले दो अधिकृत आर्किटेक्ट (संरचना इंजीनियर) के लाइसेंस रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए हैं। यह कार्रवाई भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा भवन अनुमतियों की समीक्षा के दौरान अनियमितताएं सामने आने के बाद की गई।

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर भवन अनुज्ञा शाखा अधिकृत वास्तुविदों और संरचना इंजीनियरों द्वारा जारी भवन निर्माण अनुमतियों का परीक्षण कर रही है। जांच के दौरान मुख्य नगर निवेशक नीरज आनंद लिखान ने पाया कि वास्तुविद पीयूष जोशी और सतीश शर्मा ने नगर एवं ग्राम निवेश विभाग (टीएनसीपी) द्वारा स्वीकृत अभिन्यास का पालन किए बिना भवन निर्माण की अनुमति

जारी की। एक मामले में स्वीकृत लेआउट के विपरीत भूखंड का विभाजन कर अनुमति दी गई, जबकि दूसरे मामले में बिना अनुमोदित अभिन्यास के ही भवन अनुज्ञा जारी कर दी गई।

निगम प्रशासन ने इसे दंडनीय अनियमितता मानते हुए पीयूष जोशी का बीएमसी लाइसेंस क्रमांक-109 तथा सतीश शर्मा का लाइसेंस क्रमांक-93 निरस्त कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि भवन अनुमति प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अब निगमायुक्त के पास नहीं रुकेगी हर फाइल

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने गुरुवार को भवन अनुज्ञा शाखा के कार्यों विभाजन करते हुए अधिकार सौंपने के आदेश जारी किए हैं. जिससे जनता के कार्यों को जल्द से जल्द समय पर किया जा सके. साथ ही अब सभी कार्य ऑनलाइन होंगे. अगर कोई फाईल मेन्यअल लेकर आता है से मना कर दिया जाएगा. इस आदेश का मुख्य उद्देश्य कार्यों में पारदर्शी, तेज और जवाबदेही तय करना है. अभी तक यह अधिकार सिर्फ निगमायुक्त को ही थे. आदेश के अनुसार अपर आयुक्त और उपायुक्त को भवन अनुज्ञा के मामलों में कार्रवाई करने, मैरिज गार्डन के स्थायी एवं अस्थायी लाइसेंस जारी करने के अधिकार दिय गए है. आदेश का उल्लंघन करने या लापरवाही वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही इस संबंध में पूर्व में जारी सभी आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। मुख्य नगर निवेशक को 223 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले आवासीय और व्यावसायिक भवनों की अनुज्ञा स्वीकृत करने और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है. साथ ही कर्मचारियों के अवकाश, उपस्थिति, वेतन सत्यापन और कारण बताओ नोटिस जारी करने के अधिकार दिए गए हैं। वहीं नगर निवेशक को 167 से 223 वर्गमीटर तक के भूखंडों की भवन अनुज्ञा स्वीकृत कर सकेंगे. भवन अधिकारी और सहायक यंत्री अब 167 वर्गमीटर तक के आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों की अनुमति और कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।